साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 10 में...
अक्षय ऊर्जा अक्षुण राह

पेज 11 में...
'कांतारा 2' साल की सबसे कमाऊ फिल्म

वर्ष : 01 अंक : 34 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com
पेज 09
पर्यटन मानचित्र की पहचान बनेगा 'जशपुर जम्बूरी 2025'

36गढ़ के 25 बछर : जोहार पहुना

रजत जयंती पर सब चकाचक

सुरक्षा के लिए पूर्वाभ्यास जारी, 24 घंटे तैनात रहेंगे 3000 अफसर-जवान

राज्योत्सव के पहले दिन होंगे पीएम 5 लाख की भीड़ का अनुमान

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के मौके पर एक नवंबर को राज्य सरकार द्वारा आयोजित भव्य राज्योत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर पीएम मोदी का आगमन राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण घटना मानी जा रही है, और इससे संबंधित तैयारियों के लिए व्यापक सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों द्वारा कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, पीएम मोदी के इस दौरे के दौरान राज्योत्सव स्थल पर करीब पांच लाख लोगों की भीड़ जुटने की संभावना है। ऐसे में सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं। राज्योत्सव स्थल के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था को बेहद चाक-चौबंद किया जाएगा।

'गौ माता' को मिलेगा 'राज्य माता' का दर्जा

महाराष्ट्र के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी 'गौ माता' को 'राज्य माता' का दर्जा मिल जाएगा। कैबिनेट में चर्चा कर इसके लिए जो भी प्रक्रिया है, उसे पूरा कर जल्द ही इस संबंध में घोषणा की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसकी घोषणा की है। महाराष्ट्र के बाद गो माता को राज्य माता का दर्जा देने वाला छत्तीसगढ़ दूसरा राज्य होगा। महाराष्ट्र सरकार ने सितंबर-2024 में देशी गायों को 'राज्यमाता-गौमाता' घोषित किया है। गुढ़ियारी में हनुमात कथा महोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उनकी पत्नी कौशिल्या साय के साथ कई मंत्री पहुंचे। धीरेंद्र शास्त्री ने राज्य में गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों बाबा बागेश्वर ने कहा था कि तहसील स्तर पर गोठान बना दिया जाए। हमने गायों के संरक्षण के लिए गोधाम शुरू कर दिया है।

शहर सत्ता/रायपुर। राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा राज्योत्सव के पहले दिन प्रधानमंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 3,000 से अधिक पुलिसकर्मियों और सुरक्षा अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा, पार्किंग की व्यवस्था को लेकर भी विशेष ध्यान रखा गया है। अधिकारियों का कहना है कि राज्योत्सव स्थल पर आने वाले नागरिकों को पार्किंग के लिए किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए 16 प्रमुख पार्किंग स्थलों का निर्धारण किया गया है। इन पार्किंग स्थलों से राज्योत्सव स्थल तक की दूरी अधिकतम एक किलोमीटर निर्धारित की गई है, ताकि कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों को पैदल चलने में कोई परेशानी न हो। साथ ही, ट्रैफिक व्यवस्था और मार्गों को भी विशेष रूप से ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित किया गया है, ताकि वाहनों की आवाजाही में कोई अड़चन न आए।

प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

राज्योत्सव का आयोजन छत्तीसगढ़ की संस्कृति, समृद्धि और विकास की उपलब्धियों को दर्शाने का एक अद्वितीय अवसर है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन राज्य के लिए प्रेरणादायक होगा, क्योंकि यह राज्य के इतिहास और उसकी प्रगति को उजागर करेगा। पीएम मोदी का आगमन छत्तीसगढ़ के लिए न केवल एक गौरवपूर्ण पल है, बल्कि यह राज्य के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। राज्योत्सव में प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नृत्य, संगीत, और लोक कला का प्रदर्शन होगा। इसके अलावा, राज्य की सामाजिक और आर्थिक प्रगति पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पीएम का मिनट टू मिनट कार्यक्रम

- प्रधानमंत्री मोदी सुबह 7:35 बजे दिल्ली से भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से रवाना होंगे और सुबह 9:40 बजे रायपुर हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। इसके बाद वे सड़क मार्ग से नवा रायपुर के लिए रवाना होंगे।
- सबसे पहले प्रधानमंत्री सुबह 10 बजे श्री सत्य साईं संजीवनी चाइल्ड हार्ट हॉस्पिटल पहुंचेंगे, जहां वे "दिल की बात" कार्यक्रम में शामिल होकर हृदय रोग का सफल ऑपरेशन करा चुके करीब 2500 बच्चों से संवाद करेंगे।
- इसके बाद वे ब्रह्मकुमारी भवन (शांति शिखर) का उद्घाटन करेंगे और नए विधानसभा भवन पहुंचकर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके साथ ही वे छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन भी करेंगे।
- दोपहर में प्रधानमंत्री आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन कर उसका भ्रमण करेंगे। इसके बाद वे नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव समारोह का शुभारंभ करेंगे।
- राज्योत्सव के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री शाम 4:20 बजे रायपुर हवाई अड्डे के लिए रवाना होंगे और 4:25 बजे विमान से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम और विशेष मार्ग निर्धारित

पीएम के कार्यक्रम के छह नोडल अधिकारी

- **मनोज पिंगुआ,** एसीएस गृह और जेल-राज्योत्सव से संबंधित सभी कार्यक्रमों, जिसमें प्रधानमंत्री के कार्यक्रम, विधानसभा भवन का लोकार्पण समेत सभी कार्यक्रमों का प्रमुख नोडल अधिकारी बनाया गया है।
- **सोनमणि बोरा,** प्रमुख सचिव ट्राईबल-आदिवासी संग्रहालय का लोकार्पण।
- **एस प्रकाश,** सचिव परिवहन और संसदीय कार्य-नवीन विधानसभा उद्घाटन।
- **भुवनेश यादव,** सचिव समाज कल्याण, प्लानिंग-राज्योत्सव का शुभारंभ, राज्योत्सव मुख्य मंच व्यवस्था।
- **एस भारतीदासन,** सचिव उच्च और तकनीकी शिक्षा-राज्योत्सव स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी।
- **राजेश राणा,** सीईओ क्रेडा-सत्य साईं हॉस्पिटल PM विजिट
- **डॉ. प्रियंका शुक्ला,** कमिश्नर हेल्थ सर्विसेज-ब्रम्हकुमारीज ध्यान केंद्र का उद्घाटन।

सुरक्षा के लिए ड्रोन कैमरे, सीसीटीवी कैमरे, और बम निरोधक दस्ते की भी तैनाती की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, राज्योत्सव स्थल के आसपास और प्रधानमंत्री के आवागमन मार्ग पर सुरक्षा घेरे को मजबूत किया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों और पार्किंग में सुरक्षा जांच को और सख्त किया जाएगा ताकि किसी भी अप्रत्याशित घटना से निपटा जा सके। राज्योत्सव के आयोजन से पहले कई प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक की दिशा को भी बदला जाएगा, ताकि वाहनों की आवाजाही में कोई रुकावट न आए। सुरक्षा के लिहाज से सभी प्रमुख स्थानों पर बम निरोधक टीमें और मेडिकल टीमों को भी तैनात किया जाएगा।

पहुंचने के लिए 7 मार्ग तय QR कोड वाले रूट चार्ट जारी

सूत्रों के मुताबिक राज्योत्सव स्थल तक पहुंचने के लिए नवा रायपुर में सात मार्ग तय किए गए हैं। महासमुंद, बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग-भिलाई और बलौदाबाजार की ओर से आने वाले वाहन और आम लोग अलग- अलग मागारों से आएंगे। रायपुर से आने वालों के लिए अलग मार्ग होगा। भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ पूरे प्रदेश से आएगी। हर जिले को पार्किंग नंबर तथा क्यूआर कोड वाले रूट चार्ट भेजे जा रहे हैं। संगठन के पदाधिकारियों के साथ आने वाले कार्यकर्ताओं की बसों तथा छोटे चार पहिया वाहनों में ये रूट चार्ट संबंधित जिले से ही लगा दिए जाएंगे। क्यूआर कोड को स्कैन करने से उनके मोबाइल फोन पर रूट मैप भी नजर आएगा।

राज्योत्सव में हर दिन 200 कलाकार देंगे प्रस्तुति

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर नवा रायपुर अटल नगर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग व व्यापार परिसर में भव्य राज्योत्सव होगा। इसकी तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। राज्योत्सव में रोजाना 200 कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। छत्तीसगढ़ के ख्यातिप्राप्त कलाकारों के अलावा बॉलीवुड के कलाकार भी अपनी कला का जादू बिखेरेंगे। राज्योत्सव स्थल पर मुख्य मंच बनाया जा रहा है, जहां प्रतिदिन 4 से 5 सांस्कृतिक कलाकार दलों की प्रस्तुतियां होंगी। शिल्पग्राम में बने शिल्पी मंच पर हर रोज 15 से अधिक छत्तीसगढ़ी कलाकार दल अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। संस्कृति विभाग ने राज्योत्सव पर प्रतिदिन होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली है।

सब देखेंगे भारतीय वायुसेना का शौर्य प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर राजधानी नवा रायपुर का आसमान 5 नवम्बर को एक ऐतिहासिक दृश्य का साक्षी बनेगा। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम (Suryakiran Aerobatic Team – SKAT) अपने रोमांचकारी करतबों से छत्तीसगढ़ और देशवासियों को गर्व, उत्साह और देशभक्ति की भावना से भर देगी। यह शो रजत जयंती समारोह का सबसे विशेष आकर्षण होगा। राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित यह एरोबैटिक शो छत्तीसगढ़ की प्रगति, उपलब्धियों और आत्मविश्वास का प्रतीक बनेगा। नवा रायपुर के आसमान में जब सूर्यकिरण टीम उड़ान भरेगी, तब 'बॉम्ब बर्स्ट', 'हार्ट-इन-द-स्काई' और 'एरोहेड' जैसी प्रसिद्ध फॉर्मेशन्स पूरे दर्शक समुदाय को रोमांच और गर्व से भर देंगी। सूर्यकिरण टीम का यह प्रदर्शन छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

> *"यह छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गौरव का अवसर है कि भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम हमारे रजत जयंती समारोह का हिस्सा बनेगी। छत्तीसगढ़ की रजत जयंती के इस ऐतिहासिक अवसर पर यह शो राज्य के विकास, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव की उड़ान का प्रतीक बनेगा। यह प्रदर्शन न केवल हमारे युवाओं में देशभक्ति और गर्व की भावना को प्रबल करेगा, बल्कि उन्हें राष्ट्रसेवा की प्रेरणा भी देगा। मैं प्रदेशवासियों से आह्वान करता हूँ कि वे इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें और हमारे वीर वायुसैनिकों के कौशल को सलाम करें।"* **- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय**

जनसहभागिता से सजेगा रजत जयंती का आकाश

रायपुर और आसपास के जिलों से हजारों नागरिक, विद्यार्थी और परिवार इस एरोबैटिक शो को देखने नवा रायपुर पहुँचेंगे। यह छत्तीसगढ़ की जनसहभागिता और राष्ट्रीय गर्व का जीवंत उदाहरण बनेगा। 'सूर्यकिरण एरोबैटिक शो' केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह भारतीय वायुसेना के शौर्य, सटीकता और समर्पण का प्रतीक है।

छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर गर्व की उड़ान

नवा रायपुर का आसमान गर्व, रोमांच और देशभक्ति के रंगों से भर उठेगा। सूर्यकिरण टीम का यह ऐतिहासिक शो छत्तीसगढ़ की रजत जयंती को यादगार बना देगा और हर दर्शक के मन में भारत के वीर वायुसैनिकों के प्रति सम्मान और गर्व की भावना जगाएगा। उल्लेखनीय है कि 1996 में गठित सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम भारतीय वायुसेना की सटीकता, साहस और तकनीकी दक्षता का प्रतीक है। अपने गठन के बाद से इस टीम ने भारत की हवाई क्षमता और अनुशासन का भव्य प्रदर्शन देश-विदेश के अनेक मंचों पर किया है। सूर्यकिरण टीम एशिया की एकमात्र नौ विमान की एरोबैटिक डिस्प्ले टीम है, जो भारतीय वायुसेना की तकनीकी क्षमता, अनुशासन और समन्वय की मिसाल मानी जाती है। इनके विमानों की उड़ानें इतनी सटीक होती हैं कि कभी-कभी पंखों के बीच की दूरी पाँच मीटर से भी कम रह जाती है — यही वह कौशल है जो भारत को वैश्विक स्तर पर अलग पहचान देता है।

स्वदेशी तकनीक से आत्मनिर्भर भारत की उड़ान

टीम ने अपनी यात्रा की शुरुआत HJT-16 Kiran Mk-II से की थी। वर्ष 2015 में इसने स्वदेशी तकनीक पर आधारित HAL Hawk Mk-132 Advanced Jet Trainer के साथ नई उड़ान भरी। सूर्यकिरण टीम केवल हवाई करतबों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं को भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा के लिए प्रेरित करती है।

देश और दुनिया में 700 से अधिक प्रदर्शन

सूर्यकिरण टीम ने भारत और विदेशों में 700 से अधिक प्रदर्शन किए हैं। श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, ब्रिटेन और थाईलैंड जैसे देशों में इस टीम ने भारत का गौरव बढ़ाया है। टीम ने सिंगापुर एयर शो, दुबई एयर शो और रॉयल थाई एयर फोर्स की 88वीं वर्षगांठ पर भी शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रदर्शनों ने भारत की तकनीकी क्षमता और रक्षा सहयोग की भावना को दुनिया के सामने रखा है।

खेल और संस्कृति से जुड़ा गौरवपूर्ण अध्याय

2023 में सूर्यकिरण टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट विश्वकप के दौरान अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया था। इस अवसर ने खेल और सैन्य गौरव को एक साथ जोड़ने का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया।

बड़ा कदम

जल्द होगी 5000 शिक्षकों की भर्तियां

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। राज्य शासन के वित्त विभाग ने 5000 शिक्षकों के पदों पर भर्ती की सहमति प्रदान कर दी है। यह निर्णय मुख्यमंत्री साय की उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने प्रदेश के शैक्षणिक ढांचे को मज़बूत बनाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा किसी भी राज्य की प्रगति की नींव होती है, और छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य है कि हर बच्चे तक ज्ञान और अवसर दोनों पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह भर्ती न केवल शिक्षण व्यवस्था को गति देगी बल्कि युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर भी सृजित करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने वित्त विभाग द्वारा दी गई सहमति को 'नए छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम' बताया। 5000 पदों हेतु शिक्षा विभाग शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करेगा। इन पदों की पूर्ति से ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में शिक्षकों की कमी काफी हद तक दूर होगी, जिससे शिक्षण की निरंतरता और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

राज्य शासन ने पिछले कुछ महीनों में शिक्षा सुधार से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। विद्यालय भवनों के निर्माण, डिजिटल शिक्षा सामग्री के प्रसार, और शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में शिक्षकों की कमी लंबे समय से एक प्रमुख चुनौती रही है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता सीमित थी। नई भर्ती से इन क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे बच्चों को अब अपने ही गाँव और क्षेत्र में बेहतर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, यह पहल प्रदेश में शिक्षण के स्तर को राष्ट्रीय औसत के बराबर लाने में सहायक सिद्ध होगी।

शिक्षा को सर्वांगीण विकास का आधार

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा को सर्वांगीण विकास का आधार मानते हुए लगातार निवेश कर रही है। स्कूल इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण से लेकर छात्रवृत्ति, मध्याह्न भोजन और छात्र हितैषी योजनाओं तक, सरकार का फोकस हर स्तर पर शिक्षा के दायरे को व्यापक बनाना है। शिक्षकों की यह नई भर्ती उसी दीर्घकालिक दृष्टि का हिस्सा है, जो 'विकसित छत्तीसगढ़' के विज़न को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। इस निर्णय से जहाँ शिक्षा प्रणाली को नई ऊर्जा मिलेगी, वहीं हजारों युवाओं के सपनों को साकार करने का मार्ग भी खुलेगा। यह पहल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में 'शिक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़' की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होगी।

"शिक्षा राज्य के विकास की सबसे सशक्त आधारशिला है। हमारी सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ के हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और हर विद्यालय में योग्य शिक्षक उपलब्ध हों। वित्त विभाग द्वारा 5000 शिक्षकों के पदों पर भर्ती की सहमति उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। यह निर्णय न केवल शिक्षा के क्षेत्र को सशक्त करेगा, बल्कि प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगा।"

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

"मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की मंशा के अनुरूप शिक्षा को राज्य की शीर्ष प्राथमिकता बनाया गया है। वित्त विभाग द्वारा 5000 शिक्षकों के पदों की भर्ती की सहमति देना इसी संकल्प का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में किया गया प्रत्येक निवेश प्रदेश के भविष्य में किया गया निवेश है। इस निर्णय से स्कूलों में शिक्षकों की कमी पूरी होगी, ग्रामीण व आदिवासी अंचलों में पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ेगी और हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए शिक्षा जैसे मूलभूत क्षेत्र को संसाधन उपलब्ध कराना हमारी सरकार की जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता दोनों है।"

- वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

कौटिल्य एकेडमी ने छात्रों को लगाया 18 लाख का चूना, डायरेक्टर गिरफ्तार

रायपुर में यूपीएससी और पीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के नाम पर छात्रों से 18 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने वाले 'कौटिल्य एकेडमी' के डायरेक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी पवन टांडेश्वर, जो घटना को अंजाम देने के बाद से कोचिंग संस्थान बंद कर फरार हो गया था, अब पुलिस की गिरफ्त में है. उसकी पत्नी रूबी मजूमदार भी इस मामले में सह-आरोपी है और फिलहाल फरार है.

क्या था पूरा मामला?

सरस्वती नगर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई डेढ़ दर्जन से अधिक पीड़ित छात्रों की शिकायत पर की है. छात्रों ने पुलिस को बताया था कि एकेडमी के डायरेक्टर पवन टांडेश्वर और उनकी पत्नी रूबी मजूमदार ने उन्हें यूपीएससी और पीएससी की तैयारी के लिए कोचिंग में एडमिशन का झांसा दिया. लगभग 19 अभ्यर्थियों से कुल 18,03,105 की फीस ली गई. फीस लेने के कुछ समय बाद ही, डायरेक्टर ने कोचिंग संस्था को 'शिफ्टिंग' का बहाना बनाकर क्लास बंद कर दी. छात्रों ने इंतज़ार किया, लेकिन जब कोचिंग शुरू नहीं हुई, तो उन्होंने डायरेक्टर से संपर्क करने की कोशिश की. पहले तो पति-पत्नी ने छात्रों को बातों में उलझाए रखा, लेकिन बाद में उनके नंबरों को ब्लैकलिस्ट कर दिया और शहर से फरार हो गए.

रायपुर से दिल्ली के लिए दो नई उड़ानें

विमानन कंपनियों का नया शेड्यूल लागू होने के साथ ही स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से दिल्ली के लिए दो नई उड़ानें मिलेंगी. वहीं, रायपुर को प्रयागराज को जोड़ने वाली फ्लाइट को इंडिगो ने हटा दिया है. रायपुर एयरपोर्ट को प्रयागराज से जोड़ने के लिए इंडिगो ने सबसे पहले 28 जून 2019 को फ्लाइट शुरू की थी. इस फ्लाइट को कंपनी ने 29 अक्टूबर 2023 को अचानक बंद कर दिया. इसके बाद फिर 16 अगस्त 2024 को स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से प्रयागराज के लिए सीधी फ्लाइट की शुरुआत की गई.

शनिवार को रायपुर से प्रयागराज के लिए आखिरी उड़ान का संचालन किया गया. इंडिगो की यह फ्लाइट रोजाना सुबह 9.05 बजे रायपुर से उड़ान भरकर 10.25 बजे प्रयागराज पहुंचती थी. प्रयागराज से फ्लाइट के सुबह 10.50 बजे उड़ान भरने के बाद रायपुर पहुंचने का समय 12.20 बजे निर्धारित था. रायपुर को प्रयागराज से जोड़ने के लिए यह एकमात्र फ्लाइट थी. जिसमें कंपनी 72 सीटर एटीआर विमान का संचालन करती थी. सूत्रों का कहना है कि लगभग 80 प्रतिशत बुकिंग के साथ यह फ्लाइट संचालित की जा रही थी. दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के हवाई यात्रियों के लिए दिल्ली-रायपुर-दिल्ली सेक्टर में एयर इंडिया की नई फ्लाइट 26 अक्टूबर से शुरु हो रही है. इस नई उड़ान के साथ ही दिल्ली के लिए एयर इंडिया की तीन फ्लाइट रोजाना उपलब्ध होगी. फिलहाल एयर इंडिया की दो उड़ानें सुबह-शाम संचालित की जा रही हैं. प्रस्तावित शेड्यूल के तहत एयर इंडिया की फ्लाइट 2635 दिल्ली से दोपहर 12.10 बजे उड़ान भरेगी. उसके रायपुर एयरपोर्ट पहुंचने का समय दोपहर 2.05 बजे है. रायपुर से फ्लाइट 2636 दोपहर 2.35 बजे रवाना होकर शाम 4.45 बजे दिल्ली पहुंचेगी.दिल्ली-रायपुर सेक्टर में रोजाना 8 उड़ानें 26 अक्टूबर से दिल्ली-रायपुर-दिल्ली सेक्टर में रोजाना आठ उड़ानों का विकल्प उपलब्ध होगा. 26 अक्टूबर से ही इंडिगो की एक नई फ्लाइट दिल्ली-रायपुर-दिल्ली सेक्टर में संचालित होगी।

रायपुर के राम संत युधिष्ठिर लाल ने मनाया सांई गोविंदराम का जन्मोत्सव

रायपुर। सदानी दरबार में रविवार को श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत वातावरण में संत सतगुरु गोविंद राम जी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दरबार पहुंचकर गुरुजी के दर्शन और आशीर्वाद लेने पहुंचे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और गुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। दरबार परिसर पूरे दिन भजन-कीर्तन और सत्संग के मधुर स्वरों से गूंजता रहा।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे, जिन्होंने गुरुजी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके चरणों में आशीर्वाद प्राप्त किया। नेताओं ने कहा कि संत सतगुरु गोविंद राम जी समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा के प्रतीक हैं। उनके मार्गदर्शन से समाज में सकारात्मकता और मानवीय मूल्य मजबूत हो रहे हैं। गुरुजी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि "मनुष्य का सच्चा धर्म सेवा और सत्य के मार्ग पर चलना है। जो दूसरों के सुख में अपना सुख देखता है, वही सच्चा भक्त है।" उन्होंने युवाओं को अनुशासन, संयम और राष्ट्रप्रेम अपनाने की प्रेरणा दी। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में दरबार में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के समापन पर सामूहिक आरती और शांति पाठ किया गया। सदानी दरबार में मनाया गया यह जन्मोत्सव न केवल श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाज को सेवा, एकता और सद्भाव का संदेश भी दे गया।

साप्ताहिक शहर सत्ता

रायपुर के पहले पुलिस आयुक्त की दौड़ में थे शामिल, आरोपों में कितनी सच्चाई...?

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ आईपीएस रतनलाल डांगी पर यौन उत्पीड़न के आरोप मामले में अब नया मोड़ आ गया है. सोशल मीडिया पर आरोप लगाने वाली महिला का आडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कोई यौन उत्पीड़न नहीं होने की बात कह रही है. शिकायतकर्ता महिला की बहन और जीजा ने भी इस आरोप को झूठा बताते हुए खुद को भुक्तभोगी बताया है. वहीं आईपीएस डांगी ने इस पूरे विवाद को एक बड़ी साजिश करार देते हुए कहा है कि उनकी साफ सुथरी छवि को उच्च पदों पर संभावित नियुक्तियों के समय निशाना बनाया जा रहा है. शिकायतकर्ता महिला की बहन और जीजा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा है कि पापा को भी 376 के झूठे आरोप में फंसाया गया था. झूठा आरोप लगाकर हम लोगों को भी एट्रोसिटी के मामले में फंसाया गया था.

बता दें कि एक सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने 2003 बैच के आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी पर बीते सात सालों से उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कई आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य के साथ उच्च पदस्थ अधिकारियों से शिकायत की है. इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है. पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया है कि साल 2017 में वह रतनलाल डांगी के संपर्क में आई थी. तब डांगी कोरबा एसपी के पद पर तैनात थे. शुरू-शुरू में सोशल मीडिया पर बातचीत शुरू हुई थी. रतनलाल डांगी की दंतेवाड़ा पदस्थापना के दौरान पीड़िता वीडियो काल के ज़रिए उन्हें योगा सिखाया करती थी. दंतेवाड़ा के बाद रतनलाल डांगी का तबादला राजनांदगांव हो गया. तब भी वह संपर्क में बनी रही. पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि सरगुजा आईजी बनने के बाद रतनलाल डांगी ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया. बिलासपुर आईजी बनने के बाद यह सिलसिला लगातार बढ़ता चला गया. उच्च पदस्थ अफसरों से की गई शिकायत में पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि रतनलाल डांगी अपनी पत्नी की ग़ैर मौजूदगी में उसे बंगले पर बुलाते थे.

आईपीएस डांगी ने डीजीपी को लिखी चिट्ठी

आईपीएस रतनलाल डांगी ने आरोप लगाने वाली सब इंस्पेक्टर की पत्नी के विरुद्ध डीजीपी अरुण देव गौतम को पूरे घटनाक्रम का 14 बिंदुओं में ब्यौरा उसकी शिकायत के पहले ही दे दिया था. इस चिट्ठी में उन्होंने महिला और इसमें शामिल अन्य अज्ञात लोगों पर ब्लैक मेलिंग, मानसिक प्रताड़ना, आपराधिक धमकी समेत कई आरोप लगाए हैं.

आईपीएस छाबड़ा और कुर्रे करेंगे मामले की जांच

आईपीएस रतनलाल डांगी के खिलाफ सब इंस्पेक्टर की पत्नी द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू हो गई है. 2001 बैच के आईपीएस डॉ. आनंद छाबड़ा के अलावा आईपीएस मिलना कुर्रे को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है. जांच रिपोर्ट मिलने के बाद विभाग आगे की कार्रवाई करेगा.

आरोप की होगी जांच : सीएम साय

इस मामले में सीएम विष्णुदेव साय ने कहा है कि चाहे कोई भी अधिकारी हो. अगर आरोप लगे हैं तो उस पर जांच होगी और अगर जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो निश्चित ही कार्रवाई होगी.

वेटिंग लिस्ट के पहले दावेदार को नौकरी देने का हाईकोर्ट का आदेश

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की कार्यशैली में गंभीर लापरवाही सामने आने पर बिलासपुर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है. कोर्ट ने खेल अधिकारी की नियुक्ति के मामले में हुई चूक को गंभीरता से लेते हुए, वेटिंग लिस्ट में पहले स्थान पर रहे योग्य अभ्यर्थी के नाम पर नियुक्ति पत्र जारी करने का आदेश दिया है. यह मामला सीजीपीएससी के अफसरों की घोर लापरवाही से जुड़ा है. उनकी चूक के कारण गरियाबंद के एक योग्य अभ्यर्थी को नौकरी से वंचित होना पड़ा, जबकि अधिकारियों ने एक मृतक अभ्यर्थी के नाम पर लापरवाहीपूर्वक नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया था.

क्या है पूरा मामला?

6 मार्च 2019 को स्पोर्ट्स ऑफिसर के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था. इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी होने के बाद सितंबर 2020 में जारी परिणाम में, गरियाबंद निवासी नीलकंठ कुमार साहू को ओबीसी वर्ग की वेटिंग लिस्ट में पहले स्थान पर रखा गया था. ओबीसी वर्ग से चयनित अमित वर्मा की जॉइनिंग से पहले ही मृत्यु हो गई, जिसके कारण यह पद रिक्त हो गया.

नीलकंठ साहू ने वेटिंग लिस्ट की वैधता अवधि के भीतर ही पीएससी को पद रिक्त होने की जानकारी दी और नियुक्ति का दावा किया, लेकिन आयोग के जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया. इस लापरवाही के चलते नीलकंठ को नियुक्ति से वंचित कर दिया गया.

स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट 5 लड़कियां, 4 ग्राहक हिरासत में

दुर्ग. भिलाई क्षेत्र में एक बार फिर स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है. जुनवानी स्थित चौहान बिजनेस पार्क की तीसरी मंजिल पर संचालित लोरेंज और लीवेलनेस में कई दिनों से देह व्यापार चलने की खबर आ रही थी. पुख्ता सूचना पर पुलिस ने पूरी प्लानिंग के साथ दोनों स्पा सेंटरों में छापा मारा, जहां पांच लड़कियों, 4 ग्राहकों व दोनों सेंटरों के मैनेजर को पुलिस ने गिरफ्तार किया. मौके से कई आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए गए. सभी लोगों के खिलाफ पीटा एक्ट की कार्रवाई की जा रही है.

पुलिस ने प्लानिंग के तहत पहले पाइंटर को ग्राहक बनाकर भेजा. पाइंटर का सिग्नल मिलते ही एडिशनल एसपी ICUAW पद्मश्री तंवर, दुर्ग सीएसपी भारती मरकाम, स्मृति नगर पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक गुरविंदर सिंह अपनी टीम के साथ अंदर पहुंचे. पुलिस के पहुंचते ही स्पा सेंटर में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन पुलिस ने किसी को बाहर जाने नहीं दिया. दोनों स्पा सेंटर से 5 लड़कियां और 4 ग्राहकों को पुलिस ने हिरासत में लिया. वहीं स्पा सेंटर के मैनेजर, वर्कर्स को भी पुलिस स्मृतिनगर चौकी लेकर गई.

राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का रायपुर में होगा आयोजन

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर एक बड़े खेल आयोजन की मेजबानी के लिए तैयार है. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ (SECRSA) द्वारा 15वीं अखिल भारतीय रेलवे तीरंदाजी प्रतियोगिता (पुरुष एवं महिला) 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है. यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2025 तक डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित सेकरसा स्टेडियम में आयोजित होगी. इस अंतर-रेलवे प्रतियोगिता में देशभर के 12 रेलवे जोन की टीमों से चुने गए शीर्ष तीरंदाज (आर्चर) हिस्सा लेंगे. इन तीन दिनों में रिकर्व एवं कंपाउंड वर्ग की विभिन्न रोमांचक तीरंदाजी स्पर्धाएं होंगी.

आर्चरी खेल को मिलेगा बढ़ावा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ के वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, श्री राहुल गर्ग ने बताया कि यह आयोजन रायपुर, छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में तीरंदाजी खेल के

विस्तार के लिए मील का पत्थर साबित होगा. उन्होंने कहा, "इस प्रतियोगिता के माध्यम से यहां के स्थानीय खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के तीरंदाजों को करीब से देखने और उनसे तीरंदाजी के गुर सीखने का बहुमूल्य अवसर मिलेगा."आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों और दर्शकों की सुविधाओं के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं. खेल संघ ने सभी खेल प्रेमियों से अनुरोध किया है कि वे स्टेडियम पहुंचकर भारतीय तीरंदाजों का उत्साहवर्धन करें और इस उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का आनंद लें.

जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 15 से 25 किलोमीटर की दूरी

रानीदाह जलप्रपात : घने जंगलों में छिपा प्रकृति का चमत्कार

रानीदाह जलप्रपात का सबसे आकर्षक रूप मानसून के दौरान देखने को मिलता है, जब पानी का बहाव चरम पर होता है और चारों ओर हरियाली व वादियां निखर उठती हैं। एडवेंचर, फोटोग्राफी, और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह स्थान अद्भुत अनुभव देता है। यहाँ की स्वच्छ बूंदें, हरियाली भरी घाटियाँ और झरने की गूंज हर आगंतुक को मंत्रमुग्ध कर देती है। रानीदाह जलप्रपात छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 15 से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह झरना घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों के मध्य स्थित है और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। बरसात के मौसम में यहाँ का नजारा अत्यंत मनोहारी होता है, झरने की धाराएं विशाल चट्टानों से गिरती हैं और एक विशाल जलकुंड में मिल जाती हैं। आसपास जंगल, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, और ऊँची-नीची पहाड़ियाँ इस जगह को रोमांचक बनाते हैं। यहाँ के माहौल में शांति, ताजगी और हरियाली छायी रहती है, जिससे यह पिकनिक और प्रकृति प्रेमियों का आदर्श स्थल है।

रानीदाह जलप्रपात से जुड़ी एक रोचक किंवदंती भी है। कहा जाता है कि उड़ीसा की रानी शिरोमणि अपने प्रेमी के साथ भागकर जशपुर आई थीं, जहाँ उन्होंने अपने भाईयों से छिपते हुए इसी झरने के समीप आत्मसमर्पण किया। इसी वजह से इस स्थल का नाम रानीदाह पड़ा। आज भी यहाँ रानी की समाधि और पंचमैया नामक स्थल देखने को मिलता है, जो रानी के पाँच भाईयों को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाता है। जलप्रपात के निकट एक शिव मंदिर भी है, जिससे इसका धार्मिक महत्त्व बढ़ जाता है। यह जलप्रपात वर्ष पर्यन्त विशेष रूप से जून से फरवरी तक चालू रहता है। जशपुर से आरा मार्ग पर लगभग 18 किमी दूरी और मुख्य सड़क से 5 किमी अंदर की ओर स्थित इस स्थल तक सड़क मार्ग, ट्रेन (रांची व अंबिकापुर रेलवे स्टेशन), और हवाई यात्रा (रांची व रायपुर एयरपोर्ट) से पहुँचा जा सकता है। यहाँ जिला प्रशासन ने व्यू प्वाइंट, सीढ़ियाँ, एवं पिकनिक के लिए सुरक्षित व्यवस्था की है ताकि पर्यटक पूर्ण रूप से प्रकृति का आनंद उठा सकें। रानीदाह जलप्रपात न केवल छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण बिंदु है, बल्कि प्रकृति, इतिहास और रोमांच से भरपूर एक अविस्मरणीय स्थल भी है। यहाँ आकर मनुष्य को प्रकृति के शांत, पवित्र एवं रमणीय स्वरूप का गहरा अहसास होता है।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

स्वच्छता पर सवाल

सच यह है कि स्वच्छता अभियान के एक दशक बाद भी कई जगहों पर सार्वजनिक शौचालयों की कमी दिखती है। जिन जगहों पर शौचालय बनाए भी गए हैं, तो कई बार वहां की गंदगी देख कर लोग उनका इस्तेमाल नहीं करते। यह विचित्र विडंबना है कि एक ओर सरकार पिछले कई वर्षों से स्वच्छता अभियान और हर जरूरी जगहों पर शौचालय की उपलब्धता के लिए विशेष कार्यक्रम चला रही है, इसमें बड़ी कामयाबी मिलने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत इससे अलग है। हाल ही में देश भर की अदालतों में शौचालयों की दशा पर उच्चतम न्यायालय में वस्तुस्थिति रपट दाखिल की गई।

रपट के मुताबिक, इन अदालत परिसरों में शौचालयों की लगातार अस्वच्छ स्थिति वहां के सभी उपयोगकर्ताओं के मौलिक और सम्मान के अधिकारों का उल्लंघन है। रपट में कहा गया है कि यह सीधे तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता सुनिश्चित करने में नाकामी है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब अदालत परिसरों की यह स्थिति है, तो बाकी जगहों पर क्या दशा होगी। निश्चित रूप से अदालत परिसरों की यह तस्वीर अफसोसनाक है, लेकिन यह केवल यहीं तक सीमित नहीं है। यह भी देखने की जरूरत है कि क्या हर जरूरी जगह पर ऐसे स्वच्छ सार्वजनिक शौचालय मौजूद हैं, जिसका उपयोग करने में किसी को हिचक न हो।

सच यह है कि स्वच्छता अभियान के एक दशक बाद भी कई जगहों पर सार्वजनिक शौचालयों की कमी दिखती है। जिन जगहों पर शौचालय बनाए भी गए हैं, तो कई बार वहां की गंदगी देख कर लोग उनका इस्तेमाल नहीं करते। लंबी दूरी वाले मार्गों पर बहुत कम जगहों पर यह सुविधा है। हालत यह है कि जिन पेट्रोल पंपों पर शौचालय की सुविधा है, वहां केवल तेल लेने आए वाहनों में बैठे लोगों को ही उसके उपयोग की इजाजत दी जाती है। आम लोगों को कई बार मना कर दिया जाता है।

यह निराशाजनक है कि खुले में शौच मुक्त वातावरण देने का वादा करने और इसके लिए अभियान चलाने वाली सरकार ने शौचालय बनाने के दावे तो किए, लेकिन उनकी साफ-सफाई के मानक नहीं तय किए। नतीजा यह कि इसकी समावेशी उपयोगिता का उद्देश्य ही हाशिये पर चला गया। दो साल पहले हुए एक सर्वेक्षण में कई लोगों ने माना था कि इन शौचालयों की दशा में कोई सुधार नहीं दिखता। सवाल है कि क्या केवल स्वच्छता का नारा देने भर से इसके उद्देश्य को हासिल किया जा सकेगा?

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-छत्तीसगढ़ के जम्मो रेलवे स्टेशन मन म अभी भोजपुरी गीत के माध्यम ले यात्री मन के स्वागत करे जावत हे कहिथें जी भैरा.

-अइसने खबर तो महूँ सुने हँव जी कोंदा.. रेलवे स्टेशन के जम्मो पोंगा मनला सुन के लोगन ल बिहार म हबरगे हावय तइसे कस जनावत हे कहिथें.

-अइसने वो दरी इहाँ बिहार दिवस घलो मनाए गे रिहिसे.. सत्ताधारी दल के जम्मो पदधारी मन उहू म सँघरे रिहिन हें.

-तोला कइसे जनाथे.. दू-मुड़ी वाले सरकार के मन म अचानक बिहार खातिर अतेक मया कइसे पलपलागे हे?

-मोला तो ए ह 'चुनावी मया' बरोबर जनाथे.. जेन राज्य के विधानसभा चुनाव आथे, तेन राज्य के विकास के गाथा.. उहाँ के कला-संस्कृति के बढ़वार के ढिंढोरा सब के सुरता आए लगथे.

-हाँ.. ए तो हे.. त का भोजपुरी भाखा ल आठवीं अनुसूची म सँघारे के उदिम घलो करे जा सकथे?

-ए ह थोरिक अनभरोसिल जनाथे संगी.. काबर ते सत्ता ह सिरिफ उही जिनिस मन खातिर ढिंढोरा पीटथे जे मन कला के अंतर्गत आथे.. जेकर ले लोगन के मनोरंजन होथे.. वो जिनिस मनला वो नइ छुवय जे ह लोगन के आत्मा या अस्मिता ले जुड़े होथे.. काबर ते क्षेत्रीय अस्मिता ह इँकर मन के तथाकथित राष्ट्रीयता के रद्दा म छेंका लगाथे.

देश में भगवान भरोसे है सार्वजनिक सुरक्षा

संजय कुमार

पिछले दस दिनों में दो एसी बसों में आग लगने से 45 से अधिक यात्रियों की मौत हो गई। पहली दुर्घटना राजस्थान में और दूसरी आंध्र प्रदेश में हुई। दोनों ही मामलों में बसों की फिटनेस और सुरक्षा जांच पर सवाल उठे हैं। हर बार दुर्घटना के बाद जांच के आदेश दिए जाते हैं, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकलता। देश में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है।

अपने देश में सार्वजनिक परिवहन कितना अधिक जोखिम भरा है, इसका प्रमाण है दस दिनों के अंदर दो एसी बसों में आग लगने से 45 से अधिक यात्रियों की मौत। पहली दुर्घटना में 14 अक्टूबर को जैसलमेर से जोधपुर जा रही एसी बस में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से 26 यात्री मारे गए। इस भयावह दुर्घटना की जांच में पता चला कि बस की बनावट में कई नियमों का उल्लंघन किया गया था।

दूसरी घटना गत दिवस आंध्र प्रदेश में हुई। यहां हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही एसी बस में आग लगने से 20 बस यात्री मारे गए। इस दुर्घटना का कारण यह बताया जा रहा है कि बस के नीचे एक मोटर साइकिल आ गई। इससे उसका फ्यूल टैंक क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। हैरानी नहीं कि इस दुर्घटना के पीछे भी बस के रखरखाव में कमी और उसकी सही तरह सुरक्षा जांच न किया जाना निकले।

दर्जनों लोगों के लिए काल बनीं दोनों एसी बसें निजी कंपनियों की थीं। यह मानकर तो चला जा सकता है कि उनके संचालन की अनुमति देने के पहले उनकी फिटनेस जांची गई होगी, लेकिन यह कहना कठिन है कि इसके नाम पर खानापूरी नहीं की गई होगी। इसके आसार भी कम हैं कि इसकी ढंग से पड़ताल की गई होगी कि उनमें सुरक्षा के उपयुक्त उपाय हैं या नहीं?

यह किसी से छिपा नहीं कि अपने देश में बड़ी संख्या में निजी बजें खस्ताहाल होती हैं। कई बार तो उनके चालक भी अकुशल होते हैं। एसी बसों के आपातकालीन द्वार तो इस हाल में होते हैं कि उन्हें मुश्किल से ही खोला जा सकता है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि दोनों बस दुर्घटनाओं में यात्रियों के मारे जाने पर शीर्ष स्तर के नेताओं ने संवेदना व्यक्त की और दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दिए गए, क्योंकि ऐसा हर बड़े हादसे के बाद किया जाता है और नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है।

अभी तक का अनुभव यही बताता है कि भीषण से भीषण बस दुर्घटनाओं से भी कोई सबक नहीं सीखा जाता। ऐसा इसलिए है, क्योंकि सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन किसी की प्राथमिकता में है ही नहीं। इसी कारण आए दिन सार्वजनिक परिवहन के सरकारी या फिर निजी साधन दुर्घटनाग्रस्त होते रहते हैं। प्रायः इन दुर्घटनाओं में हुई जनहानि को विधि का विधान मान लिया जाता है और अफसोस जताकर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। यह और कुछ नहीं, चलता है वाला रवैया है।

इस रवैये के कारण ही सार्वजनिक सुरक्षा के हर पहलू की उपेक्षा होती है। सार्वजनिक और खासकर सड़क सुरक्षा में सतर्कता की कमी से होने वाले हादसे अनगिनत लोगों की जान ही नहीं लेते, बल्कि देश की बदनामी भी कराते हैं। वे यह भी बताते हैं कि विकसित बनने के आकांक्षी देश में किस तरह सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है।

बढ़ रहीं गठबंधनों में मुश्किलें

अनिल कुमार

बिहार में चुनाव से पहले महागठबंधन और एनडीए दोनों में सीटों के बंटवारे को लेकर मुश्किलें बनी हुई हैं। महागठबंधन में नेताओं के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। वहीं एनडीए में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इन अंतर्विरोधों ने चुनावी लड़ाई को और दिलचस्प बना दिया है। बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखें नजदीक आते ही राजनीतिक समीकरण उलझते जा रहे हैं। एक तरफ जहां महागठबंधन के नेता सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बना पा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ NDA ने सीटों के बंटवारे की घोषणा तो कर दी है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, इस सवाल पर फंसा हुआ है। इस उलझन ने चुनाव को और भी दिलचस्प बना दिया है।

चुनाव से काफी पहले से ही बिहार में दो मुख्य राजनीतिक खेमे साफ थे। लेकिन जैसे-जैसे चुनाव की तारीखें करीब आईं, मामला पेचीदा होता चला गया। महागठबंधन के नेता, जो चुनाव से पहले एक साथ वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे थे, अब सीटों के बंटवारे पर एकमत नहीं हो पा रहे हैं। दूसरी तरफ, NDA ने सीटों के बंटवारे की घोषणा में बाजी मार ली, लेकिन मुख्यमंत्री के सवाल पर ऐसा फंस गया कि गठबंधन की जमीनी हकीकत पर ही सवाल उठने लगे हैं।

महागठबंधन में नेताओं के बीच चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले तो काफी मेलजोल दिखता था। लेकिन सीट बंटवारे की बातचीत शुरू होते ही उनके लिए एक नतीजे पर पहुंचना मुश्किल हो गया। बार-बार सीट बंटवारे की घोषणा का समय आगे खिसकाया गया। पहले नामांकन की आखिरी तारीख बीत गई, फिर नामांकन वापसी की आखिरी तारीख भी निकल गई, और सहमति बनने की उम्मीद अधूरी रह गई। कम से कम पहले चरण के चुनाव के लिए तो यही कहानी रही।

दिलचस्प बात यह है कि चुनाव के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह सवाल दोनों ही खेमों को परेशान कर रहा है। महागठबंधन में RJD की जिद के बावजूद कांग्रेस अभी तक CM फेस घोषित करने पर राजी नहीं हुई है। इस गठबंधन में CPI (ML) भी एक अहम सहयोगी है। उसने भी आधिकारिक तौर पर RJD नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा बताने से मना कर दिया है, लेकिन वह उनके नाम का समर्थन जरूर कर रही है। दूसरी तरफ NDA में, पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने और फिर LJP नेता चिराग पासवान ने यह बात दोहराई कि चुनाव के नतीजे आने के बाद विधायक मुख्यमंत्री तय करेंगे। इसके बाद JDU प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही होंगे।

फिलहाल महागठबंधन में अंतर्विरोध सिर्फ कुछ सीटों तक सीमित दिख सकते हैं, जहां 'फ्रेंडली फाइट' यानी आपसी सहमति से चुनाव लड़ने की बात हो सकती है। वहीं NDA में, पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए LJP और JDU लगभग हर सीट पर एक-दूसरे के खिलाफ तलवारें ताने दिख सकते हैं। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि BJP और JDU, अपना मुख्यमंत्री बनवाने की चाहत में, एक-दूसरे की सीटें किस हद तक बढ़ने देना चाहेंगे। निश्चित रूप से, इन अंतर्विरोधों ने पहले से ही दिलचस्प इस चुनावी लड़ाई के सस्पेंस को और बढ़ा दिया है। यह देखना बाकी है कि ये उलझनें चुनाव के नतीजों को कैसे प्रभावित करती हैं।

साप्ताहिक शहर सत्ता

नीतीश को सीएम फेस बनाने से क्यों बच रही है भाजपा?

तेजस्वी के 'बाहरी बनाम बिहारी' दावे में कितना दम

नई दिल्ली। महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कर दिया है, जिसके बाद अब यह सवाल फिर केंद्र में आ गया है कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) एक बार फिर सत्ता में लौटता है तो बिहार का नेतृत्व कौन करेगा। एनडीए ने अब तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपना सीएम उम्मीदवार घोषित करने से परहेज किया है, जिससे विपक्ष को नया हथियार मिल गया है। चुनाव से पहले रैलियों को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने दावा किया कि एनडीए के जीतने पर भी नीतीश दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के बाद निर्वाचित विधायक ही बिहार के मुख्यमंत्री का फैसला करेंगे। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि जेडी(यू) नेता को बीजेपी ने हाईजैक कर लिया है।

तेजस्वी ने चुटकी लेते हुए कहा कि हमारे 'चाचा' नीतीश कुमार नियंत्रण में नहीं हैं। गुजरात के दो लोग, नरेंद्र मोदी और अमित शाह दिल्ली से बिहार चला रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं से 'बाहरी' की बजाय 'बिहारी' को चुनने का आग्रह किया। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समस्तीपुर और बेगूसराय में दो रैलियों के साथ एनडीए के बिहार अभियान की शुरुआत की। हालांकि उन्होंने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा।

2015 में एनडीए को दिलाई जीत

बता दें कि नीतीश कुमार (73) बिहार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने 2005 से लगातार तीन विधानसभा चुनावों, 2010, 2015 और 2020 में बिहार का नेतृत्व किया है। 2010 में उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर एनडीए को भारी जीत दिलाई। 2015 में उन्होंने भाजपा को हराने के लिए महागठबंधन के बैनर तले लालू प्रसाद की राजद और कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया और 2020 में एक और राजनीतिक बदलाव के बाद वे एनडीए में वापस आ गए।

एनडीए की पार्टियों का अलग-अलग जातिगत आधार

हालांकि, जेडी(यू) की ताकत लगातार कम होती जा रही है। 2010 में 115 सीटों से घटकर 2020 में सिर्फ 43 रह गई हैं, जबकि गठबंधन के भीतर भाजपा और मजबूत होती जा रही है। यह गिरावट, सत्ता विरोधी लहर, मतदाताओं की थकान और तेजस्वी जैसे युवा प्रतिद्वंद्वियों के उदय के साथ मिलकर, नीतीश के लिए बिना किसी मुकाबले के अपनी केंद्रीय भूमिका बनाए रखना मुश्किल बना रही है। इस बीच, एनडीए इस सच्चाई का सार्वजनिक रूप से सामना करने से हिचकिचाता दिख रहा है। बिहार में एनडीए गठबंधन में भाजपा, जेडी(यू), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक का अलग-अलग जातिगत आधार और राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं।

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर हुआ

साउथ सेंट्रल रेलवे ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदले जाने को अनुमति मिलने की जानकारी दी है। अब औरंगाबाद रेलवे स्टेशन छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन के नाम से पहचाना जाएगा। सेंट्रल रेलवे ने अपनी प्रेस रिलीज में बताया कि छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन का नया स्टेशन कोड CPSN होगा।आपको बता दें कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने 15 अक्टूबर को औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलने के लिए एक राजपत्र अधिसूचना जारी की थी। यह कदम एकनाथ शिंदे की तत्कालीन सरकार द्वारा औरंगाबाद शहर का नाम आधिकारिक तौर पर छत्रपति संभाजीनगर रखे जाने के तीन साल बाद उठाया गया है। महाराष्ट्र में औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का उद्घाटन 1900 में हैदराबाद के 7वें निजाम मीर उस्मान अली खान के शासनकाल के दौरान हुआ था।

औरंगाबाद की स्थापना 1610 में अहमदनगर के निजामशाही वंश के सिद्दी जनरल मलिक अंबर ने की थी। उस समय इस शहर का नाम खिड़की या खड़की था और 1626 में मलिक अंबर की मृत्यु के बाद उनके पुत्र फतेह खान ने इसका नाम बदलकर फतेहपुर कर दिया। साल 1653 में, मुगल बादशाह औरंगजेब ने 'दक्कन' पर आक्रमण किया और इस शहर में अपनी राजधानी स्थापित की और इसका नाम बदलकर औरंगाबाद कर दिया। तब से इस शहर का नाम औरंगजेब से जुड़ा हुआ था।

अगर कुछ हुआ तो मैं जिम्मेदार हूं' ममता बनर्जी का सख्त रुख

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में यौन उत्पीड़न की घटनाओं के मद्देनजर सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को राज्य के स्वास्थ्य विभाग और पुलिस को राज्यभर में सभी सरकारी मेडिकल फैसिलिटी में सुरक्षा कड़ी करने का निर्देश दिया। राज्य सचिवालय नवान्न में मुख्य सचिव मनोज पंत द्वारा अस्पताल सुरक्षा उपायों की समीक्षा के लिए बुलाई गई एक हाईलेवल मीटिंग में सीएम ने कहा कि सुरक्षा उपायों में किसी भी चूक के लिए वह जिम्मेदार होंगी। इस मीटिंग में स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम, डीजीपी राजीव कुमार, जिला मजिस्ट्रेट, एसपी, चीफ मेडिकल ऑफिसर और अन्य सहित राज्य स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इंडियन एक्सप्रेस को सूत्रों ने बताया, मुख्यमंत्री ने फोन पर बैठक को संबोधित करते हुए चिंता जाहिर की कि स्वास्थ्य विभाग की छवि को धूमिल करने के लिए जानबूझकर कुछ कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, "अगर किसी सरकारी अस्पताल में कुछ बुरा होता है, तो इसकी जिम्मेदारी मुझ पर आनी चाहिए।" सीएम ने ज्यादा सतर्कता बरतने का निर्देश दिया ताकि सरकार की प्रतिष्ठा को नुकसान ना पहुंचे। उन्होंने अपने परिवार के साथ कोलकाता के अस्पताल आई एक लड़की के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना के लिए एसएसकेएम अस्पताल के अधिकारियों की भी खिंचाई की।

आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मुख्य स्तंभ : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मलयेशिया में आयोजित 22वें आसियान शिखर सम्मेलन 2025 को वर्चुअली संबोधित किया है। पीएम ने कहा- इस वर्ष आसियान शिखर सम्मेलन का विषय 'समावेशीपन और स्थिरता' है। यह विषय हमारे साझा प्रयासों में स्पष्ट रूप से दिखती है- चाहे वह डिजिटल समावेशन हो या वर्तमान चुनौतियों के बीच खाद्य सुरक्षा और लचीली आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आसियान शिखर सम्मेलन में वर्चुअली हिस्सा लिया। इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आसियान के देश साझा मूल्यों की डोर से बंधे हुए हैं। 21वीं सदी आसियान देशों की सदी है। बता दें कि आसियान की यह बैठक मलयेशिया में हो रही है।

शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मलयेशियाई प्रधानमंत्री और मेरे मित्र अनवर इब्राहिम आपने मुझे आसियान परिवार में शामिल होने का अवसर दिया, इसके लिए मैं बहुत खुश हूं। मैं आपको इस सफल शिखर सम्मेलन के लिए बधाई देता हूं। पीएम ने कहा, समावेशीपन और स्थिरता इस वर्ष के आसियान शिखर सम्मेलन के विषय हैं और यह विषय हमारे साझा प्रयासों को दर्शाता है। चाहे वह डिजिटल समावेशन हो, खाद्य सुरक्षा हो, या इस अशांत वैश्विक समय में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं हों। हम साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, 'भारत के देश समन्वयक की भूमि का कुशलता से निभाने पर फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस का धन्यवाद करता हूं।'

अरब सागर में 11 दिन से नाव में फंसे 31 लोगों को बचाया

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने अरब सागर में फंसे 31 मछुआरों की जान बचाई है। ये मछुआरे 11 दिनों से नाव में फंसे हुए थे। नाव के स्टीयरिंग गियर में अचानक खराबी के चलते और खराब मौसम की वजह से अरब सागर में काफी दूर तक बहती चली गई थी। आईसीजी के मुताबिक, भारतीय तटरक्षक मुख्यालय संख्या 3 (कर्नाटक) को 24 अक्तूबर को गोवा की मछली पकड़ने वाली भारतीय नाव (आईएफबी) संत एंटोन-I के लापता होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आईसीजी ने एक खोज और बचाव (एसएआर) अभियान शुरू किया। इस नाव को आखिरी बार न्यू मैंगलोर से लगभग 100 समुद्री मील दूर होने की सूचना मिली थी। आईसीजी ने पहले से ही नियमित गश्त कर रहे आईसीजीएस कस्तूरबा गांधी गश्ती पोत को आखिरी बार देखी गई संकटग्रस्त नाव की जगह की तरफ रवाना कर दिया। इसके साथ ही, कोच्चि से एक तटरक्षक डोर्नियर विमान लापता नाव का पता लगाने भेजा गया।

बलूचिस्तान पर बयान के बाद शहबाज सरकार आगबबूला

पाक ने सलमान खान को आतंकवादी निगरानी सूची में डाला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने हिन्दी फिल्मों के सुपरस्टार सलमान खान को आतंकवादी निगरानी सूचि में डाल दिया है। पाकिस्तान, सलमान खान के बलूचिस्तान पर दिए गये बयान से आगबबूला है। दरअसल सलमान खान रविवार को रियाद फोरम में अपने संबोधन के दौरान बलूचिस्तान का जिक्र किया था। जिसपर पाकिस्तान की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया दी गई है और उन्हें आतंकवादी निगरानी सूचि में डाल दिया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार ने कथित तौर पर सलमान खान का नाम अपनी चौथी अनुसूची में शामिल कर लिया है, जो देश के आतंकवाद-रोधी अधिनियम (1997) के तहत एक श्रेणी है। इस लिस्ट में आमतौर पर उन व्यक्तियों को शामिल किया जाता है, जिन पर चरमपंथी संगठनों या गतिविधियों से जुड़े होने का संदेह होता है। इस सूची में शामिल लोगों पर कड़ी निगरानी, आवाजाही पर प्रतिबंध और संभावित कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। बलूचिस्तान सरकार के गृह विभाग द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को जारी की गई अधिसूचना (सत्यापन के अधीन) के मुताबिक, सलमान खान को निगरानी सूची में रखने के निर्णय को उन्हें "आजाद बलूचिस्तान सूत्रधार" करार देकर उचित ठहराया गया है। यानि, सलमान खान बलूचिस्तान की आजादी का समर्थन करते हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सलमान खान ने रियाद में एक कार्यक्रम में कथित तौर पर वैश्विक मानवीय चिंताओं के संदर्भ में बलूचिस्तान का नाम लिया था और उसे पाकिस्तान से अलग बताया था।

सलमान खान ने रियाद फोरम में कहा था कि "इस समय, अगर आप कोई हिंदी फिल्म बनाकर सऊदी अरब में रिलीज करते हैं, तो वह सुपरहिट होगी। अगर आप कोई तमिल, तेलुगु या मलयाली फिल्म बनाते हैं, तो वह करोड़ों का कारोबार करेगी क्योंकि दूसरे देशों से बहुत से लोग यहां आए हैं। बलूचिस्तान के लोग हैं, अफगानिस्तान के लोग हैं, पाकिस्तान के लोग हैं, हर कोई यहां काम कर रहा है।" इस कार्यक्रम में शाहरुख खान और आमिर खान भी मौजूद थे। सलमान के इस बयान के बाद पूरे पाकिस्तान में आक्रोश फैल गया और अधिकारियों तथा राजनीतिक टिप्पणीकारों ने उन पर "आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप" करने का आरोप लगाया।

IPL छोड़ इस बीबीएल में खेलेंगे रोहित और विराट?

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने सिडनी में दिखाया कि वो अब भी वनडे क्रिकेट में रनों की बारिश कर सकते हैं. रोहित ने 121 रन और विराट ने 74 रन बनाए थे, उनकी पारियों की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया था. मैच के बाद दोनों ने संकेत भी दिए कि यह शायद बतौर क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया में उनका आखिरी मैच रहा. संभवतः उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को अलविदा कह दिया है, लेकिन इसी बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के CEO टॉड ग्रीनबर्ग ने रोहित-विराट को BBL में लाने का संकेत दिया है.आपको बताते चलें कि बिग बैश लीग (BBL) के अगले सीजन में रविचंद्रन अश्विन, सिडनी थंडर के लिए खेलते नजर आएंगे. इसे बीबीएल इतिहास की सबसे बड़ी साइनिंग कहा गया था, लेकिन अश्विन रिटायरमेंट के बाद बीबीएल में खेलेंगे. मगर अश्विन ऐसे पहले कैप्ड भारतीय क्रिकेटर होंगे जो ऑस्ट्रेलियाई लीग में खेलेंगे.

BBL में खेलेंगे रोहित-विराट?

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग से यह भी पूछा गया कि क्या BBL में कभी रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्तर के खिलाड़ी खेल पाएंगे. इस पर ग्रीनबर्ग ने कहा, "किन्हीं परिस्थितियों में यह संभव हो सकता है. हमें बातचीत जारी रखनी होगी."ग्रीनबर्ग ने रविचंद्रन अश्विन की डील को इसका सबसे बड़ा सबूत बताया कि BBL में रोहित और विराट जैसे स्तर के खिलाड़ियों का आना असंभव नहीं है. उन्होंने BBL को एक प्राइवेट लीग बनाए जाने की बात भी कही, जिसपर फिलहाल चर्चा जारी है.

क्या BBL में खेल सकते हैं रोहित-विराट?

आर अश्विन चाहे सिडनी थंडर के लिए खेलने वाले हैं, लेकिन ऐसा उनके इंटरनेशनल और IPL रिटायरमेंट के बाद ही संभव हो पाया है. रोहित शर्मा और विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट से पूरी तरह रिटायर भी हो जाते हैं तब भी वो BBL में नहीं खेल पाएंगे. आईपीएल से भी संन्यास लेने के बाद ही वो बीबीएल में खेलने के योग्य होंगे.

कप्तान गिल हैं ऑस्ट्रेलिया में वनडे सीरीज हारने की वजह

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज समाप्त हो गई है. इस सीरीज के पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने भारत की वनडे टीम का नया कप्तान शुभमन गिल को बनाया. वहीं रोहित शर्मा से ODI की कप्तानी छीन ली गई. इस सीरीज में टीम इंडिया को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा है. शुभमन गिल बतौर वनडे कप्तान अपनी पहली सीरीज हार गए. टीम इंडिया के सीरीज हारने के बाद भी रोहित शर्मा को दमदार परफॉर्मेंस के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया.

कप्तान शुभमन गिल रहे फ्लॉप

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत की हार की बड़ी वजह कप्तान शुभमन गिल को माना जा सकता है. इन तीन मैचों में गिल का बल्ला बिल्कुल खामोश रहा. शुभमन गिल टीम के लिए ओपनिंग करने आते हैं, तीनों मुकाबलों में गिल ने जल्दी ही अपनी गंवा दी, जिसका असर बाद में आने वाले खिलाड़ियों पर भी देखने को मिला. गिल इन तीन मैचों में 50 रन भी नहीं बना पाए. पर्थ में खेले गए पहले वनडे में जहां रोहित शर्मा 8 रन बनाकर आउट हुए. वहीं कप्तान शुभमन गिल ने 18 गेंदों में 10 रन ही बनाए. इस मैच में 9 ओवर के अंदर ही गिल-रोहित और विराट कोहली समेत 3 विकेट गिर गए थे. दूसरे वनडे में भारत के सामने 266 रनों का लक्ष्य था, लेकिन कप्तान गिल इस मैच में 9 रन बनाकर वापस पवेलियन लौट गए. तीसरे वनडे में शुभमन गिल में बेहतर लय में नजर आ रहे थे, लेकिन 2 चौके और एक छक्के की मदद से गिल 26 गेंदों में 24 रन ही बना सके. कप्तान शुभमन गिल ने तीन मैचों में 43 रन ही बनाए. गिल से टीम को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज जैसे प्रदर्शन की उम्मीद थी. इंग्लैंड के खिलाफ ही शुभमन गिल को भारत की टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई थी, तब गिल उस पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने थे. गिल ने 5 टेस्ट मैचों में 754 रन बनाए थे.

क्रिप्टोकरेंसी को माना जाएगा संपत्ति, मद्रास हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। मद्रास हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा है कि क्रिप्टोकरेंसी भारतीय कानून के तहत 'संपत्ति' मानी जाएगी। इसका मतलब है कि इसे खरीदा, बेचा, इस्तेमाल किया और ट्रस्ट में रखा जा सकता है। जस्टिस एन आनंद वेंकटेश की सिंगल-जज बेंच ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि क्रिप्टोकरेंसी एक संपत्ति है। यह कोई भौतिक संपत्ति नहीं है और न ही यह कोई मुद्रा है। लेकिन यह एक ऐसी संपत्ति है जिसका आनंद लिया जा सकता है और जिसे अपने पास रखा जा सकता है। इसे ट्रस्ट में भी रखा जा सकता है।'अपने फैसले में मद्रास हाईकोर्ट ने 'संपत्ति' शब्द के अर्थ को व्यापक बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का सहारा लिया। जस्टिस वेंकटेश ने सुप्रीम कोर्ट के अहमद जी.एच. आरिफ बनाम सी.डब्ल्यू.टी. और जिलुभाई नानभाई खाचर बनाम गुजरात राज्य के मामलों का हवाला दिया।

रोहित शर्मा ने आखिरी बार कहा 'अलविदा'

सोशल मीडिया पोस्ट ने मचाई सनसनी

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के समापन के बाद रोहित शर्मा ने सिडनी को अलविदा कह दिया है. सिडनी में रोहित ने 121 रनों की नाबाद पारी खेल भारत को 9 विकेट से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. उन्होंने विराट कोहली के साथ मिलकर 168 रनों की यादगार पार्टनरशिप भी की. अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एयरपोर्ट की तस्वीर साझा की है, जहां उन्होंने भारत लौटने से पहले कहा कि वो आखिरी बार सिडनी से अलविदा ले रहे हैं. उन्होंने अपने हालिया ट्वीट में सिडनी एयरपोर्ट से तस्वीर साझा की है. इस तस्वीर उन्होंने बैग लटकाया हुआ है, लेकिन उनके कैप्शन ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है. उन्होंने कैप्शन में लिखा, "एक आखिरी बार, सिडनी को अलविदा."

1 नवंबर से आसान हो जाएगा GST रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 1 नवंबर, 2025 से जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) के लिए एक नई और आसान रजिस्ट्रेशन प्रणाली शुरू करने जा रही है. जिसके तहत नया आवेदन करने वालों को सिर्फ 3 वर्किंग दिनों के अंदर मंजूरी मिल जाएगी. सरकार के द्वारा लाए गए जीएसटी रिफॉर्म के तहत जीएसटी परिषद ने इसकी मंजूरी दी है. इससे रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पहले से आसान बनेगा और इसमें मानव हस्तक्षेप कम होगा. नई व्यवस्था के तहत दो तरह के आवेदकों को स्वचालित रुप से रजिस्ट्रेशन मिल सकेगा. पहले वे लोग जिन्हें सिस्टम ने डेटा और जोखिम विश्लेषण के आधार पर चुना है, और दूसरे वे जिनका टैक्स देय (आउटपुट टैक्स) हर महीने 2.5 लाख रुपये से कम है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, इस नई प्रक्रिया से करीब 96 प्रतिशत नए आवेदकों को सीधा फायदा पहुंचेगा. गाजियाबाद में नए सीजीएसटी भवन का उद्घाटन करने के बाद वित्तमंत्री ने बताया कि, सरकार का ध्यान अब नीति बनाने की जगह पर लोकल स्तर पर नीतियों के सही तरीके से क्रियान्वित करने पर शिफ्त हो रहा है. साथ ही, वित्तमंत्री ने राज्य और केंद्रीय जीएसटी इकाइयों से अनुरोध किया है कि, वे बिना किसी उलझन में पड़े हुए नई नीतियों के अनुरुप काम करें और नए नियमों को लागू करें.

IMF की रिपोर्ट में चमका भारत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की ओर से वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट ने भारत की बढ़ती ताकत को एक बार फिर प्रदर्शित किया है. हाल ही में आई आईएमएफ की डब्ल्यूईओ रिपोर्ट में कहा गया है कि, भारत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 6.6 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ेगा. इस तेजी के साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा. आईएमएफ ने यह रिपोर्ट भारत की पहली तिमाही के अर्थव्यवस्था में आई तेजी तो ध्यान में रखते हुए जारी किया है. अमेरिकी सरकार के द्वारा भारत पर भारी टैरिफ लगाया गया है. इसके बावजूद भी इस रिपोर्ट से उम्मीद जगी है कि, इंडियन इकोनॉमी पर अमेरिकी टैरिफ का असर संतुलित ही रहेगा. भारत की वृद्धि चीन की 4.8 प्रतिशत से भी तेज रहेगी।

शादी के सीजन में फिर आ सकती है तेजी

सोने की तेजी पर लगा ब्रेक, क्या अभी और होगी गिरावट?

नई दिल्ली। घरेलू फ्यूचर मार्केट में सोने की कीमतों में त्योहारी सीजन के बाद गिरावट देखने को मिल रही है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (M C X) पर 5 दिसंबर का एक्सपायरी वाला गोल्ड फ्यूचर वायदा शुक्रवार को 1,23,451 रुपए पर बंद हुआ. एक तरफ जहां सोने की कीमते रिकॉर्ड बना रही थी, वहीं दिवाली के बाद से इसकी कीमते कम हुई है. कुछ समय पहले ही सोने ने 1 लाख 30 हजार के आंकड़े को पार किया था. जारी गिरावट ने लोगों को सोना में निवेश करने का एक नया अवसर दिया है. बाजार विशेषज्ञों का मानना हैं कि, तेज हुई कीमतों ने निवेशकों को अच्छा मुनाफा दिया. इसके बाद मुनाफावसूली के कारण सोने के दाम गिर गए. सोने की कीमते जैसे ही अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची, लोगों ने इसकी बिकवाली शुरु कर दी. जिससे सोना टूट गया. अगर आप सोना खरीदने का विचार कर रहें हैं तो, आपको अपने शहर के रेट जरूर जान लेंने चाहिए.

भारत में शादी-विवाह का सीजन शुरु होने वाला है. भारतीय घरों में इन अवसरों पर जमकर सोने की खरीदारी की जाती है. मांग बढ़ने और खरीदी के कारण सोने की कीमतों में एक बार फिर उछाल देखने को मिल सकता है. बाजार जानकारों का मानना है कि, सोने में आई इसी कमी को लोग एक अवसर की तरह भी देख सकते हैं और सोने की खरीदारी कर सकते हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, सोने की कीमतों में यह गिरावट अस्थायी हो सकती है. सोना एक बार फिर तेज रफ्तार पकड़ सकता है. हालांकि, भारतीय संस्कृति में सोने का महत्व बहुत ज्यादा है. किसी भी शुभ अवसर पर भारतीय सोना खरीदते है।निवेशक भी सोने को एक सेफ निवेश विकल्प के तौर पर देखते आए हैं.

दिल्ली में सोने के दाम (प्रति 10 ग्राम)
24 कैरेट - 1,25,770 रुपए
22 कैरेट - 1,15,300 रुपए
18 कैरेट - 94,370 रुपए

मुंबई में सोने के दाम (प्रति 10 ग्राम)
24 कैरेट - 1,25,620 रुपए
22 कैरेट - 1,15,150 रुपए
18 कैरेट - 94,220 रुपए

चेन्नई में सोने के दाम (प्रति 10 ग्राम)
24 कैरेट - 1,25,450 रुपए
22 कैरेट - 1,15,000 रुपए
18 कैरेट - 96,250 रुपए

कोलकाता में सोने के दाम (प्रति 10 ग्राम)
24 कैरेट - 1,25,620 रुपए
22 कैरेट - 1,15,150 रुपए
18 कैरेट - 94,220 रुपए

साप्ताहिक शहर सत्ता

देवारी तिहार में देखने को मिलती है गोचारण संस्कृति

शोभाकांत झा

छत्तीसगढ़ी में देवारी तिहार के अवसर पर गोचारण संस्कृति यहां आज भी श्रीकृष्ण गोचारण लीला की स्मृति को हरा कर देती है। पौ फटने से पूर्व ही पहाटिया (राऊत) घर घर से गायों को बंधन मुक्त कर गांव के बाहर एकत्र करते हैं। कान्हा पर काली कमली, माथ पर छापी (छत्र) और हाथ में लाठी (लठड़ी) लेकर वे चल पड़ते हैं और अपने वृन्दावन की ओर। टुनुर टुनूर गायों के गले में बजती घंटियां गूंजती रहती हैं। कान्हा बालों की टोली में अधर पर बजती बंशी का क्या कहना -

जब हरि मुरली अधर धरत धिरचर चर थिर पवन थकित रहे जमुना जल न बहत
खग मोहे मृग जूथ बुलाही निरखि मदन छवि छरत
पशु मोहे सुरभि विथकित तून दंतनि टेकी रहत।

इतना ही नहीं सिर पर मोर मुकुट जैसा मोर

पंख खोंस कर जब राउत लोग विविध वेशभूषा में सज धज कर दिवाली के बाद पूर्णिमा तक राउत नाचा प्रस्तुत करते हैं, तब ऐसा लगता है कान्हा खुद द्वार द्वार जाकर ग्वाल बालों के साथ नाच रहा हो और अपने प्रिय जनों को असीस दे रहा हो। कहीं यह नाच दिवाली से आरंभहोता है तो कहीं देवउठनी एकादशी से। आरंभ करते समय हर टोली महादेव, बूढ़ादेव, या दूल्हा देव की पूजा हंम धूप से करते हैं तब दोहा पारते, नाचते कूदते, बाजा गाजा के साथ अपने किसानों, मालिकों और ठाकुरों के यहां जोहारने जाते हैं। वे किसान की श्री संपन्नता की कामना करते हैं और मालिक उन्हें रुपए वस्त्र देकर सम्मान करते हैं -

अईसन झन जानबे मालिक, अहिरा डांडे आय हो साल बछर के तीज म मुख दर्शन करे आय हो जइसे मालिक लिए दिए वइसे देव असीस हो अन्न धन ले घर भरे जुग जियो लाख बरीस हो।

रायपुर में स्थापित भगवान धन्वंतरि की अद्वितीय प्रतिमा

डा. संजय शुक्ला

छत्तीसगढ़ अंचल में धनतेरस के दिन से दीपावली त्योहार की परम्परा शुरू हो जाती है। इस दिन विशेष रूप से भगवान धनवंतरि पूजा अर्चना की जाती है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के श्री नारायण प्रसाद अवस्थी शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में भवन के मुख्य द्वार पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि की विशाल प्रतिमा स्थापित है। छत्तीसगढ़ राज्य में यह धन्वंतरि की बेजोड प्रतिमा है जो बेहद ही आकर्षक और विशाल है। इस प्रतिमा का निर्माण छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार पद्मश्री जे.एम. नेल्सन ने किया है, जिसका अनावरण साल 2015 में किया गया। यह प्रतिमा संस्था के शिक्षकों और छात्रों के लिए प्रेरक और पूज्यनीय है। प्रतिदिन इस मंदिर में छात्र, डाक्टर और कर्मचारियों द्वारा पूजा की जाती है। भगवान धन्वंतरि की यह प्रतिमा देश की चुनिंदा प्रतिमाओं में से एक है।

सीमेंट, मार्बल कास्ट, ताम्र वर्ण इस चतुर्भुजी प्रतिमा की ऊंचाई आठ फीट एवं वजन लगभग 500 किलोग्राम है। धन्वंतरि प्रतिमा के चार भुजाओं में शंख, अमृत कलश, वनौषधि और आयुर्वेद ग्रंथ है। प्रत्येक वर्ष धन्वंतरि जयंती (धनतेरस) और राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों, चिकित्सकों, छात्र - छात्राओं तथा कर्मचारियों द्वारा इस प्रतिमा की धूमधाम से पूजा की जाती है। इन दोनों अवसरों पर प्रतिमा की फूलों और रंगोली के साथ ही दीपमालाओं के साथ विशेष साज-सज्जा की जाती है, जो बहुत ही मनोहारी होता है।

मांगलिक अवसरों पर गृह अलंकरण की प्राचीन परंपरा

ललित शर्मा

पर्वों पर घर को सजाने दायित्व बेटियों पर होता है, बेटियाँ मनोयोग से उपलब्ध सामग्री से घर को सजाती हैं। भारत के अन्य राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ में दीप पर्व पांच दिनों का मनाया जाता है। इस अवसर पर घर को लिपाई पुताई के साथ ही विशेष रूप से अलंकृत किया जाता है। जिसमें घर के मुख्य द्वार बड़ी रंगोली सधे हुए हाथों से कुशलता के साथ बनाया जाता है। रंगोली दीपावली की साज सज्जा का प्रमुख आकर्षण होता है, वैसे द्वार सज्जा के लिए पत्र पुष्पों का भी प्रयोग करने प्राचीन परम्परा रही है। जिसका प्रयोग हम आज भी आम की तोरण/बंदनवार से करते आ रहे हैं। लोग अपने घरों के दरवाजे पर सुबह के समय रंगोली इसलिए बनाते हैं, ताकि घर में कोई बुरीताकत प्रवेश न कर सके। इसके लिए चावल के आटे या घोल का इस्तेमाल किया जाता है। चावल के आटे के इस्तेमाल के पीछे इसका सफेद रंग होना व आसानी से उपलब्धता है। सूखे चावल के आटे को अँगूठे व तर्जनी केबीच रखकर एक निश्चित साचे में गिराया जाता है।

विभिन्न पर्वों, मुख्य उत्सवों तथा ऋतुओं के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है। आकृतियों के विभिन्न आकार के आधार पर भी बाँटा जा सकता है। दीवारों और आंगनों में गोबर और मिट्टी के मिश्रण से बनाया जाता है। डिजाइन में पशु, पक्षी, पौधे, और धार्मिक आकृतियाँ देखने को मिलती हैं। छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में इसे चौक पूरना कहा जाता है। पूरने का अर्थ यहाँ पर पूर्णता से है। किसी भी मंगल कार्य की पूर्णता की कामना से इसका निर्माण किया जाता है। भिन्न भिन्न अवसरों पर भिन्न भिन्न आकार ज्यामितीय आकृतियाँ उकेरी जाती है। यह लोक की प्राचीन परम्परा है। वर्तमान में रंगीन रेत से रंगोली का निर्माण भी होने है, वैदिक काल से लेकर वर्तमान तक चौक पूरने के विषयों में परिवर्तन हुआ है, परन्तु हर्ष एवं उल्लास के प्रदर्शन में कोई परिवर्तन नहीं।

राउत नाचा के दोहों में राम कथा

डॉ. पीसी लाल यादव

छत्तीसगढ़ में राम कथा सैकड़ों में हैं। राम कथा परक राउत दोहों की भी लंबी श्रृंखला है। हालांकि इसमें क्रमबद्धता नहीं है। राम विवाह के समय जब पहली बार बड़े बड़े राजा, देवता, दानव धनुष उठाने के लिए आए तो संकोच से भर र गए। दस शीश और बीस भुजा वाले रावण भी थक गए। यह भाव इन निम्न पंक्तियों में -

उठत प्रथम मानव सुर दानव, धनुष रहे सकुचाई।
दस मस्तक बीस भुजा थके, रावण बल पौरूष कहां गंवाई।

रामजी कहते हैं- सुनो भाई लक्ष्मण कौन सा उपाय करें? तब लक्ष्मण कहते हैं भइया धनुष को तोड़ेंगे अवश्य तोड़ेंगे, दो टुकड़े करेंगे। जनकपुर में बधाई बजने दो।

एक समय लंका पति रावण, सिया रघुबर हर लाए।

सिया खोजने चले हनुमत, पंच मुखी संग लाए।

यहां बताया जा रहा है, एक समय की बात है। रावण ने रामचंद्र की पत्नी सीता जी का हरण कर लिया। सीता जी की खोज के लिए हनुमान जी ने जंगल और पहाड़ों की ओर प्रस्थान किया। इस तरह राउत नृत्य में यादव नर्तक एक के बाद एक बारी बारी से दोहे का उच्चारण करते हैं। रामावतारी दोहों में कभी कभी प्रसंग अनुसार

क्रमबद्धता बनी रहती है। किन्तु कभी कभी यह क्रमबद्धता टूट जाती है, इसलिए कथा प्रसंग बिखर जाता है। आगे की कथा पीछे और पीछे की कथा आगे हो जाती है। निम्न दोहे में क्रमबद्धता नहीं है -

कनक थार भर भर लावय, सुमित्रा लावय झारी। गरम दूध कौशल्या लावय, रघुबर करय बयारी।

निम्न पंक्ति में कौशल्या कोसल नरेश राजा भानुमंत की राजकुमारी है और भगवान रामचंद्र की माता है। कौशल्या तुम तो छत्तीसगढ़ की बेटी हो। प्रेम व ममता की फुलवारी हो।

भानुमंत के राज दुलौरीन, रामचन्द्र के महतारी। छत्तीसगढ़ के बेटी तैहा ओ, मया ममता के फुलवारी।

पर्यटन मानचित्र की पहचान बनेगा 'जशपुर जम्बूरी 2025'

रोमांच, संस्कृति और परंपरा का अद्भुत उत्सव

रायपुर। छत्तीसगढ़ का पर्वतीय और हरियाली से आच्छादित जिला जशपुर एक बार फिर उत्सव, संस्कृति और रोमांच का केंद्र बनने जा रहा है। यहाँ आगामी 6 से 9 नवम्बर 2025 तक आयोजित होने वाले 'जशपुर जम्बूरी 2025' में प्रदेश और देशभर से पर्यटक प्रकृति की गोद में रोमांचक अनुभवों, जनजातीय परंपराओं और सामुदायिक उत्सव के रंगों का आनंद लेंगे।

प्रकृति की गोद में चार दिन का उत्सव

जशपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, झरनों, पहाड़ियों और हरे-भरे जंगलों के कारण पहले से ही पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। इन चार दिनों में यह जिला उत्साह, उमंग और अनूठे अनुभवों का जीवंत मंच बन जाएगा। देशभर से आने वाले सैलानी यहां रोमांचक खेलों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और जनजातीय लोकपर्वों की रंगीन झलक का आनंद लेंगे।

हॉट एयर बलून और पैरामोटरिंग का रोमांच

इस वर्ष का सबसे बड़ा आकर्षण रहेगा हॉट एयर बलून और पैरामोटरिंग शो, जिसमें प्रतिभागी मधेश्वर पहाड़ियों के ऊपर से उड़ान भरकर जशपुर की भव्यता को नई ऊँचाई से देख सकेंगे। नीले आसमान और हरी वादियों का यह संगम एक अविस्मरणीय अनुभव बनेगा।

कयाकिंग, एटीवी और मोटर बोटिंग से मिलेगा एडवेंचर का आनंद

फेस्टिवल में कयाकिंग, मोटर बोटिंग और एटीवी राइड्स जैसी गतिविधियाँ रोमांच प्रेमियों को अपनी सीमाओं को परखने का अवसर देंगी। झरनों की धारा में कयाकिंग और जंगलों के बीच मिट्टी के रास्तों पर एटीवी चलाने का रोमांच हर आगंतुक के लिए यादगार रहेगा।

फॉरेस्ट ट्रेकिंग और प्राकृतिक अनुभव

प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष फॉरेस्ट ट्रेकिंग ट्रेल्स तैयार की गई हैं। घने पेड़ों के बीच, फूलों की महक और पक्षियों की चहचहाहट में चलना जशपुर की जैव विविधता से गहरा जुड़ाव कराएगा। यह पर्यावरण और पर्यटन के बीच सामंजस्य का प्रतीक है।

खुले आसमान तले स्टार गेज़िंग सेशन्स

रात्रिकालीन आयोजनों में स्टार गेज़िंग सेशन्स विशेष आकर्षण होंगे। तारों से सजे जशपुर के निर्मल आसमान में सैकड़ों नक्षत्रों को निहारने का अनुभव आगंतुकों को अद्भुत शांति और विस्मय का एहसास कराएगा।

लोककला, संगीत और बोनफायर से सजेगा माहौल

हर शाम बोनफायर नाइट्स में जनजातीय लोकनृत्य, संगीत और हँसी से भरी संध्याएँ होंगी। पारंपरिक गीतों की धुन और आग की लपटों के बीच साझा होती मुस्कानें इस आयोजन को आत्मीयता का नया अर्थ देंगी। फेस्टिवल में स्थानीय व्यंजनों का विशेष स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहेगा। स्थानीय पारंपरिक पकवानों के स्वाद से पर्यटक छत्तीसगढ़ की मिट्टी की असली महक महसूस करेंगे। 'जशपुर जम्बूरी' केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय गौरव और सांस्कृतिक आत्मसम्मान का उत्सव भी है।

जर्मन मेहमानों को जनजातीय संस्कृति ने किया मंत्रमुग्ध

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रेरणा और राज्य सरकार की पर्यटन संवर्धन नीतियों के अंतर्गत जशपुर अब विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपनी जगह बना रहा है। इसकी झलक हाल ही में तब देखने को मिली जब जर्मनी से आए पर्यटक बर्नहार्ड और फ्रांजिस्का जशपुर की जनजातीय संस्कृति, कला और आत्मीयता से गहराई से प्रभावित हुए। दोनों पर्यटकों ने क्षेत्रीय स्टार्टअप "ट्रिप्पी हिल्स" के अनुभवात्मक पर्यटन कार्यक्रम के तहत जनजातीय जीवन की बारीकियों को समझा। यात्रा की शुरुआत मलार समुदाय से हुई, जो अपने उत्कृष्ट हस्तनिर्मित आभूषणों और शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध है। इन कारीगरों की रचनात्मकता ने विदेशी मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के गांव में उन्होंने पारंपरिक जीवनशैली और प्रकृति के साथ गहरे संबंध को महसूस किया। वहीं अगरिया समुदाय के दौरे में लौह गलाने की पारंपरिक तकनीक का जीवंत प्रदर्शन हुआ, जिसने दोनों अतिथियों को आश्चर्यचकित कर दिया। यात्रा का समापन स्थानीय हाट-बाजार में हुआ, जहाँ रंगीन वस्त्र, मिट्टी की खुशबू और पारंपरिक जनजातीय संगीत ने जशपुर की जीवंत सांस्कृतिक धड़कन को अभिव्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि जशपुर की जनजातीय संस्कृति केवल धरोहर नहीं, बल्कि पर्यटन विकास का सशक्त माध्यम भी है। उनके नेतृत्व में जशपुर में सड़क, संचार और सुविधाओं के प्रसार से नए पर्यटन मार्ग तैयार हो रहे हैं। "कल्चर देवी" और "अनएक्सप्लॉरड बस्तर" जैसे संगठनों के सहयोग से स्थानीय समुदायों को भी अपने हुनर को दुनिया के सामने लाने का अवसर मिला है। यह अनूठा सांस्कृतिक अनुभव इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति अब वैश्विक आकर्षण का केंद्र बन रही है, जहाँ परंपरा, प्रकृति और आधुनिकता का सुंदर संगम नजर आता है।

भव्य स्मारक सह-संग्रहालय लोगों के लिए होगा समर्पित

शहर सत्ता/रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर के आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के विद्रोहों पर बन रहे स्मारक सह-संग्रहालय जल्द ही लोगों के लिए समर्पित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्योत्सव के मौके पर देश के पहले डिजीटल संग्रहालय का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज निर्माणाधीन संग्रहालय स्थल का निरीक्षण कर लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लिया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गौरतलब है कि राज्य सरकार इस वर्ष छत्तीसगढ़ निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के रूप में मना रहा हैं। नवा रायपुर में बन रहे शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह-संग्रहालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण के दौरान मुख्य मंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि आगंतुकों एवं पर्यटकों के हिसाब से संग्रहालय में आडियो-विडीयो विजुवल की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि आगंतुक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संबंध में भलिभांति परिचित हो सके।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की परिकल्पना का परिणाम है कि जल्द ही छत्तीसगढ़ में जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक स्मारक सह-संग्रहालय धरातल पर दिखाई देगा। यह निर्माणाधीन संग्रहालय सदियों के लिए आने वाली नई पीढ़ियों को पुरखों का याद दिलाता रहेगा। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय न सिर्फ आदिवासी वर्गों के लिए बल्कि सभी वर्गों सहित देश-विदेश के लोगों के लिए भी प्रेरणाप्रद बनेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस जीवंत संग्रहालय के माध्यम से लोगों में बड़ी से बड़ी ताकतों के अन्याय, अत्याचार के खिलाफ विद्रोह करने का साहस पैदा होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि सोच का परिणाम है कि आज प्रदेश का पहला संग्रहालय है जो छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शौर्य गाथा एवं बलिदान को समर्पित है।

वीएफएक्स टेक्नोलॉजी और प्रोजेक्शन वर्क से तैयार हो रहा है संग्रहालय

गौरतलब है कि यह स्मारक सह- संग्रहालय छत्तीसगढ़ के आदिवासियों के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बारिकी के साथ अध्ययन व रिसर्च के बाद वीएफएक्स टेक्नोलॉजी और प्रोजेक्शन वर्क के साथ तैयार किया रहा है। संग्रहालय देखने वाले आगंतुकों को आदिवासी विद्रोह का वर्णन स्टैच्यू के पास ही लगे डिजिटल बोर्ड पर उपलब्ध रहेगा। आगंतुक संग्रहालय में आदिवासी विद्रोह को जीवंत महसूस कर सकेगा। वहीं आगंतुक प्रत्येक गैलरी में बनाई गई जीवंत प्रस्तुति के सामने स्कैनर से मोबाईल द्वारा स्कैन कर संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

छत्तीसगढ़ : अक्षय ऊर्जा, आत्मनिर्भरता की अक्षुण राह

आज पूरी दुनिया ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता न केवल सीमित संसाधनों पर दबाव डाल रही है, बल्कि पर्यावरणीय असंतुलन को भी बढ़ा रही है। ऐसे समय में अक्षय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा, ही भविष्य की सबसे सशक्त और टिकाऊ राह बनकर उभर रही है। भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट क्षमता का नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने में छत्तीसगढ़ राज्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में नई ऊर्जा क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया है। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को घर की छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्रीय सब्सिडी के साथ-साथ राज्य सरकार से भी आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य वर्ष 2027 तक देशभर में एक करोड़ से अधिक परिवारों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है।

छत्तीसगढ़ में इस योजना का क्रियान्वयन तेज गति से हो रहा है। अप्रैल 2025 से अब तक 55 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने आवेदन किया है, जिनमें से पाँच हजार घरों में सोलर सिस्टम स्थापित हो चुके हैं। लगभग 16 हजार घरों में सोलर पैनल लगाने का कार्य प्रगति पर है। राज्य सरकार ने मार्च 2027 तक पाँच लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य तय किया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में सौर ऊर्जा का योगदान विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत किसानों को सोलर पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे न केवल सिंचाई में आसानी होगी, बल्कि किसानों की निर्भरता पारंपरिक बिजली पर भी घटेगी। राज्य सरकार द्वारा अब तक सात मेगावॉट क्षमता के सोलर पंप स्थापित किए जा चुके हैं और आने वाले वर्षों में हजारों पंपों की स्थापना की योजना है। इसके अतिरिक्त, दुर्गम ग्रामीण अंचलों में सोलर मिनी ग्रिड योजना लागू की जा रही है। लगभग 330 मेगावॉट क्षमता के मिनी ग्रिड प्लांट स्थापित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है, जिससे हजारों गाँवों को रोशनी मिलेगी।

छत्तीसगढ़ ने नवीकरणीय ऊर्जा के औद्योगिक उपयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। बायोमास आधारित विद्युत संयंत्र, फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट और सोलर स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना के साथ-साथ सरकारी भवनों, छात्रावासों और अस्पतालों में सोलर विद्युतीकरण का कार्य तेज़ी से किया जा रहा है। अब तक 2,600 से अधिक सरकारी परिसरों में सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं।

राजनांदगांव जिले में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम डोंगरगढ़ रोड पर ग्राम ढाबा के आसपास के 4-5 गांवों के

पहाड़ी क्षेत्र में स्थापित किया गया है। इससे प्रतिदिन 5 लाख यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन होगा और लगभग 4.5 लाख मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। आने वाले दो वर्षों में 2000 मेगावॉट क्षमता के सोलर पार्क स्थापित किए जाएंगे, जिससे छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्तर पर अक्षय ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनेगा।

सौर ऊर्जा न केवल बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करती है, बल्कि यह स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में भी सहायक है। "सोलर विलेज" की अवधारणा के अंतर्गत 53 गाँवों का चयन किया गया है, जहाँ कोयला आधारित बिजली पर निर्भरता कम कर केवल सौर ऊर्जा से ही विद्युत आपूर्ति की जाएगी। यह प्रयास ग्रामीण जीवन में स्थायी बदलाव लाएगा और कार्बन उत्सर्जन घटाने में भी सहायक सिद्ध होगा।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ की कुल बिजली मांग लगभग 5,500 मेगावॉट है, जिसमें 15 प्रतिशत आपूर्ति नवीकरणीय स्रोतों से हो रही है। वर्ष 2030 तक इस हिस्सेदारी को 45 प्रतिशत और वर्ष 2047 तक 66 प्रतिशत तक पहुँचाने का लक्ष्य है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

छत्तीसगढ़ की नीतियाँ अक्षय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को सस्ती, स्वच्छ और स्थायी बिजली उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं। "सूर्यघर योजना" और अन्य सौर परियोजनाओं से जहाँ ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों को लाभ मिलने लगा है। इससे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना : सौर ऊर्जा से हरित भविष्य की ओर कदम ट्रीटमेंट खतरनाक

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशानुरूप बिजली बिल की समस्या का समाधान करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का संचालन किया जा रहा है। यह योजना तेजी से बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं और बिजली दरों में इज़ाफ़े के बीच आम नागरिकों के लिए राहत एवं बचाव का नया विकल्प बन रहा है। योजना आम नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी है, इससे न केवल बिजली की बचत हो रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिल रहा है। सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक विद्युत स्रोतों पर निर्भरता घट रही है, जिससे आर्थिक और पारिस्थितिक दोनों स्तरों पर राहत मिल रही है। इस योजना से लाभान्वित होकर आमजन सौर ऊर्जा से हरित भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत केन्द्र और राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। योजनांतर्गत 01 किलोवाट का रूफटॉप लगवाने पर 45 हजार रूपए, 02 किलोवाट में 90 हजार रूपए और 03 किलोवाट का रूफटॉप लगवाने पर 01 लाख 08 हजार रूपए की सब्सिडी प्रदान की जाती है। योजना अंतर्गत लगाए गए सोलर प्लांट को नेट मीटरिंग प्रणाली से जोड़ा जाता है, जिससे अतिरिक्त उत्पन्न बिजली ग्रिड में भेजी जा सकती है और उपभोक्ता को उसका लाभ आय के रूप में प्राप्त होता है। इसके साथ ही कम ब्याज दर एवं आसान किश्तों में बैंक फायनेंस भी उपलब्ध है।

छत पर सोलर, घर में उजाला, बिल हुआ जीरो, भविष्य हुआ सुनहरा

आज जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याणकारी नीतियों के माध्यम से एक स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना इसका बेमिसाल उदाहरण है। यह योजना न केवल बिजली आपूर्ति की समस्या का समाधान करती है, बल्कि देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक ऐतिहासिक पहल साबित हो रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का हमेशा से यह विज़न रहा है कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो और इसमें ऊर्जा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता सबसे अहम भूमिका निभाए। भारत जैसे विशाल देश में, जहां हर वर्ग का नागरिक बिजली पर निर्भर है, वहां सौर ऊर्जा को अपनाकर न केवल घरेलू स्तर पर राहत दी जा सकती है, बल्कि औद्योगिक और ग्रामीण विकास को भी नई गति प्रदान की जा सकती है। इसी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना, जिसके अंतर्गत नागरिकों को प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। योजना का उद्देश्य केवल बिजली बिल कम करना भर नहीं है, बल्कि हर नागरिक को ऊर्जा उत्पादक बनाना है। पहले जहां लोग केवल उपभोक्ता थे, वहीं अब वे अपने घर की छत पर लगे सोलर पैनलों से बिजली उत्पन्न कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इससे उनकी आर्थिक बचत होती है और अतिरिक्त बिजली उत्पादन से आय का मार्ग भी खुलता है।

'कांतारा 2' बनी साल की सबसे कमाऊ फिल्म

25 दिनों में कमाए 867 करोड़

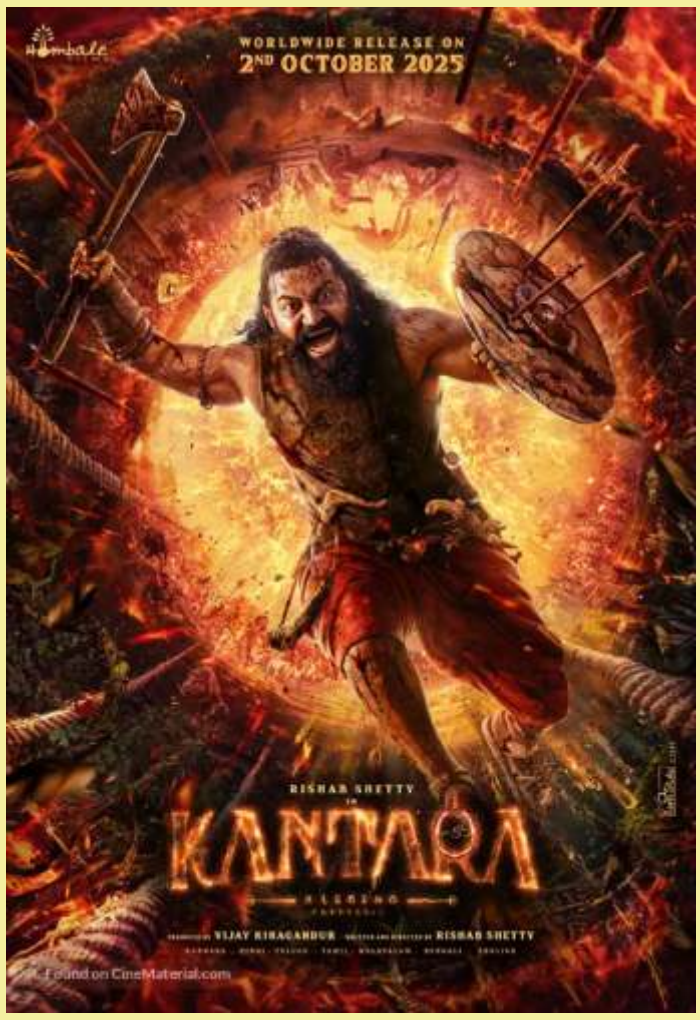

ऋषभ शेट्टी अभिनीत फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज कर ली है। यह इस साल रिलीज होने वाली फिल्मों में नंबर वन की कुर्सी पर काबिज हो चुकी है। विक्की कौशल अभिनीत 'छावा' को धकेलकर 'कांतारा 2' ने यह स्थान कब्जाया है। अब तक 'छावा' इस साल की नंबर वन फिल्म थी। मगर, अब 'कांतारा चैप्टर 1' ने यह जगह छीन ली है। 'कांतारा चैप्टर 1' फिल्म 02 अक्तूबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन के मामले में यह फिल्म पहले नंबर पर आ गई है। प्राप्त आंकड़ों में इसने अब तक 867 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन जुटा लिया है। फिल्म ने यह कारनामा अपनी रिलीज के 25 दिन के भीतर कर दिखाया है।

टॉप 10 में चार हिंदी फिल्में शामिल

इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉप 10 भारतीय फिल्मों में अब 'छावा' दूसरे नंबर पर हो गई है। वहीं, इस साल युवाओं के बीच लोकप्रियता बटोरने वाली 'सैयारा' 579.23 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन के साथ तीसरे नंबर पर है। टॉप 10 की लिस्ट में सिर्फ चार हिंदी फिल्मों ने उपस्थिति दर्ज की है। इनमें- 'छावा', 'सैयारा', 'वॉर' और 'सितारे जमीन पर' का नाम शामिल है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी 'कांतारा चैप्टर 1' धुआं उड़ा रही है। यह फिल्म 600 करोड़ क्लब में एंट्री लेने वाली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक भारत में इसने 583.92 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है। यह फिल्म साल 2022 में आई ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' का ही प्रीक्वल है। ऋषभ शेट्टी के अलावा इस फिल्म में रुक्मिणी वसंत, गुलशन देवैया, जयराम और प्रमोद शेट्टी जैसे सितारे अहम रोल में हैं।

अभिनय के शाह को अंतिम विदाई

सारा‌भाई के लिए खूब पहचान हासिल हुई थी. रविवार को एक्टर का अंतिम संस्कार हुआ. जहां टीवी से लेकर फिल्म जगत के तमाम सितारे नजर आए. सभी ने नम आंखों के साथ एक्टर को अंतिम विदाई दी. शनिवार को सतीश शाह के निधन के बाद फिल्ममेकर अशोक पंडित ने इस दुखद खबर को कंफर्म किया. उन्होंने कंफर्म किया कि एक्टर का निधन किडनी फेल के कारण हुआ था. फिर इसके बाद सतीश शाह के मैनेजर ने भी बताया था कि एक्टर का अंतिम संस्कार रविवार को मुंबई में होगा. 26 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट में सतीश शाह का अंतिम संस्कार हुआ. नसीरुद्दीन शाह, रुपाली गांगुली, सचिन पिलगांवकर, पंकज कपूर, जेठालाल उर्फ दिलीप जोशी, जैकी श्रॉफ, अली असगर से लेकर उनके तमाम रिश्तेदार और दोस्त उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे. जहां एक तरफ रुपाली गांगुली अपनी आंखों के आंसुओं को छिपाती नजर आईं तो तमाम सितारों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी.

पीएम मोदी ने भी जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर सतीश शाह के जाने पर शोक व्यक्त किया. उन्होंने लिखा, 'सतीश शाह के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ. मनोरंजन जगत में उन्हें सच्चे दिग्ज के रूप में याद किया जाएगा. वह एक कामयाब अभिनेता थे जो अपने ह्यूमर और आइकॉनिक परफॉर्मेंस के जरिए लोगों की जिंदगी में हंसी भर देते थे. उनके परिवार और फैंस के प्रति संवेदना. ओम शांति ओम.'

केटी पैरी और जस्टिन ट्रूडो ने रिलेशनशिप किया कंफर्म

सिंगर केटी पैरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अब अपने रिश्ते को सबके सामने स्वीकार कर लिया है. कुछ हफ्ते पहले तक ये खबरें चल रही थीं कि दोनों डेट कर रहे हैं. केटी के 41वें बर्थडे पर दोनों पेरिस में पहली बार एक साथ पर नजर आए. TMZ के मुताबिक, केटी और जस्टिन ट्रूडो पेरिस के क्रेजी हॉर्स में कैबरे शो देखने गए. शो के बाद यह कपल हाथ में हाथ डाले और मुस्कुराते हुए बाहर खड़े पैपराज़ी के सामने निकले. एक फैन ने केटी को उनके बर्थडे पर विश किया और उन्हें गुलाब का फूल दिया.जस्टिन ने केटी को उनकी कार तक पहुंचाया और उसके बाद खुद भी पीछे गए. इस मौके पर केटी ने लाल ड्रेस पहन रखी थी, जबकि जस्टिन ब्लैक सूट में दिखाई दिए.

हाल ही में, केटी और जस्टिन की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं, जिसमें वे कैलिफ़ोर्निया के सांता बारबरा के पास केटी के यॉट पर करीब आते दिख रहे थे. इसके बाद, लंदन में अपने कॉन्सर्ट के दौरान, एक फैन ने घुटनों के बल बैठकर केटी से शादी का प्रस्ताव रखा. केटी ने जवाब दिया, "काश तुम 48 घंटे पहले पूछते."

'मेरा भोला है भंडारी' फेम सिंगर हंसराज रघुवंशी को मारने की धमकी

भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर विवादों में हैं. उनके और उनकी बीवी ज्योति सिंह के बीच का तनाव बढ़ता ही जा रहा है और दोनों तरफ से आरोपों का सिलसिला जारी है. इस बीच भोजपुरी एक्ट्रेस स्मृति सिन्हा ने पवन सिंह और ज्योति सिंह के विवाद पर रिएक्ट किया है. एक्ट्रेस ने इस पूरे मामले के लिए एक्टर को ही जिम्मेदार ठहराया है. स्मृति ने इस दौरान बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर भी बात की है. एक हालिया इंटरव्यू में स्मृति सिन्हा ने कहा- 'पवन सिंह और ज्योति सिंह का जो भी विवाद है, उनको घर पर ही सुलझाना था. इससे एक एक्टर की छवि तो सबसे जायदा खराब हो ही रही है. पवन सिंह खुद ही जिम्मेदार हैं कहीं ना कहीं अपनी हालत के.' स्मृति सिन्हा ने आगे कहा- 'पवन सिंह को थोड़ा समझना होगा, अपने आस-पास वो कैसे लोगों को रखते हैं इस पर ध्यान देना होगा. जो लोग उनके करीबी बनते हैं, उनको सही बात नहीं समझाते हैं, ये एक बड़ी दिक्कत रही है।

पोटाश गन चलाने पर 'बिग बॉस' फेम तान्या मित्तल के खिलाफ हुई शिकायत

रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में अपनी टिप्पणियों को लेकर चर्चा बटोरने वाली तान्या मित्तल के खिलाफ ग्वालियर में शिकायत दर्ज हुई है। दरअसल, तान्या पर पोटोश गन चलाने का आरोप है, जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। तान्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। साथ ही एफआईआर की मांग की गई है। फिलहाल एसएसपी ने इस मामले में जांच के आदेश जारी किए हैं। इन दिनों 'बिग बॉस 19' में बतौर प्रतिभागी नजर आ रहीं तान्या मित्तल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वे पिंक साड़ी में दिख रही हैं। अभिनेत्री कथित तौर पर कार्बाइड गन चलाती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होने के बाद हंगामा हो गया और उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

बिग बॉस में अभिषेक की Ex-वाइफ की वाइल्ड कार्ड एंट्री?

'बिग बॉस 19' में 25 अक्टूबर को आए 'वीकेंड का वार' में कुछ ऐसा हुआ कि अभिषेक बजाज घबरा गए। सलमान खान के जाने के बाद भी वह अशनूर से उसी बारे में बात करते नजर आए। उनके चेहरे पर घबराहट साफ नजर आ रही थी। दरअसल, सलमान ने हिंट दिया कि बिग बॉस के घर में वाइल्ड कार्ड के तौर पर किसी की एक्स-वाइफ भी आ सकती है। यही सुनकर अभिषेक को झटका लग गया। 'बिग बॉस 19' में 'वीकेंड का वार' में सलमान ने घरवालों के गेम खेलने के तरीके और उन बात करते हुए कहा, 'इस शो के चलते सब पर फोकस होता है। सब देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर आप सबकी चर्चा हो रही है। फैंस, गर्लफ्रेंड्स, एक्स-गर्लफ्रेंड्स, वाइफ, एक्स-वाइव्स... सबकी अपनी-अपनी राय है, लाइमलाइट में रहने के लिए। या तो आपकी तारीफ करनी होगी या फिर आपको नीचा दिखाना होगा।'

एक्स-वाइफ के जिक्र से अभिषेक टेंशन में

एक्स-वाइफ का जिक्र सुनते ही घरवालों के बीच हलचल मच गई। सब सोचने लगे कि आखिर किसकी एक्स-वाइफ है और किसकी बात हो रही है? पर अभिषेक टेंशन में आ गए। वह इस कदर परेशान हो गए कि सलमान के जाने के बाद अशनूर को उन्हें शांत करवाना पड़ा।

अशनूर से बोले अभिषेक- वो यहां तो नहीं आएगी ना?

सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो क्लिप भी वायरल हो रहा है, जिसमें अभिषेक को अशनूर समझाती दिख रही हैं। अशनूर, अभिषेक से कहती हैं कि आपकी बाहर पीआर

टीम है ना, वो संभाल लेगी। फैमिली भी है। फिर अशनूर पूछती हैं कि क्या अभिषेक की एक्स-वाइफ एक्टर है? अभिषेक इनकार करते हैं। इस तरह अशनूर और भी बातें पूछती हैं। फिर जब अशनूर, अभिषेक को रिलैक्स करने को बोलती हैं, तो वह घबराहट के साथ अशनूर से बोलते हैं, 'इससे क्या होता है। वो यहां तो नहीं आएगी ना?' मालूम हो कि अभिषेक बजाज की एक्स-वाइफ का नाम आकांक्षा जिंदल है। दोनों ने साल 2017 में शादी की थी, पर 2020 में उनका तलाक हो गया था। आकांक्षा ने अभिषेक पर शादी में धोखा देने का आरोप लगाया था, जिसके बाद एक्टर ने भी आकांक्षा पर पलटवार किया और उन्हें 'फेम डिगर' कहा था। अभिषेक जब बिग बॉस के घर में जा रहे थे, तो उनकी टीम ने आकांक्षा को लेकर एक पोस्ट किया था, जिसमें यह बात कही थी।

साप्ताहिक शहर सत्ता

छत्तीसगढ़ महतारी पर प्रहार कांग्रेस ने उठाए सवाल

सीएम बोले 'दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई"

रायपुर। छत्तीसगढ़ की अस्मिता और मातृत्व की प्रतीक छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति रायपुर मे असमाजिक तत्वों ने तोड़ दी है. इस घटना के बाद पूरे प्रदेश में लोगों के अंदर गुस्सा है. शहर के वीआईपी चौक पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा की गई तोड़फोड़ की इस घटना के बाद माहौल गरम हो गया है. छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए, नारेबाजी करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है.

कांग्रेस का साय सरकार पर हमला

इस घटना को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है. कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति को तोड़ना बेहद दुर्भाग्यजनक और निंदनीय है. राज्य में भाजपा सरकार आने के बाद से लगातार छत्तीसगढ़ की संस्कृति, तीज-त्योहार और अस्मिता पर प्रहार हो रहे हैं. भाजपा आदतन संस्कृति विरोधी दल है. जब कांग्रेस सरकार ने यह मूर्ति लगाई थी, तब भी भाजपा ने इसका विरोध किया था। संभव है कि अब भी वही मानसिकता इस घटना के पीछे हो।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने साय सरकार को घेरा

इस घटना को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने राज्य की विष्णुदेव साय सरकार को घेरा है. उन्होंने सुशासन पर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि छत्तीसगढ़ की स्थापना की रजत जयंती पर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ दी गई.राजधानी रायपुर के VIP रोड स्थित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को तोड़ा जाना जनता का अपमान है.भूपेश बघेल ने पोस्ट में आगे लिखते हुए कहा कि हर एक छत्तीसगढ़िया बेहद ग़ुस्से में है. यह पूरी तरह अस्वीकार्य है.कहीं यह शासन-प्रशासन के कार्यक्रमों से छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीरों को हटाने वाली भाजपा सरकार की करतूत तो नहीं? भाजपा समझ ले कि अगर जनआक्रोश को अनदेखा किया, तो अच्छा नहीं होगा. छत्तीसगढ़ महतारी की जय! बात हे अभिमान के, छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान के

हमले से गुस्से में लोग

इस घटना के बाद रायपुर में सामाजिक संगठन सड़क पर उतर आए हैं. प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस कृत्य ने पूरे छत्तीसगढ़ की आत्मा को झकझोर दिया है. छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के नेता अमित ने कहा कि पुलिस इसे किसी पागल का काम बता रही है, लेकिन छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति की स्थिति देखकर यह बात पूरी तरह गलत साबित होती है. मूर्ति की गर्दन तोड़ी गई है और जिस शिलालेख पर डॉ. नरेंद्र वर्मा का नाम लिखा है, केवल उसी हिस्से को खुरचा गया है. यह बताता है कि काम योजनाबद्ध तरीके से किया गया है.

प्रधानमंत्री आवास के मामले में भाजपा सरकार लापरवाह

शहर सत्ता/रायपुर। 18 लाख आवास देने का वादा कर सत्ता में आयी भाजपा चुनाव जीतने के बाद लोगों को आवास देने के मामले में भी लापरवाह बनी हुई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इसका प्रमाण इसी से मिल जाता है कि प्रधानमत्री शहरी आवास में केंद्र ने छत्तीसगढ़ के कोटे में 50 हजार आवास स्वीकृत किये थे तथा राज्य सरकार को पात्र हितग्राहियों के नाम भेजने को कहा लेकिन साय सरकार ने तय सीमा तक केवल 11 हजार ही हितग्राहियों का नाम केंद्र को भेजा जो कुल टार्गेट का मात्र 23 प्रतिशत है। यह बताता है कि भाजपा सरकार गरीबों को आवास नहीं देना चाहती है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 18 लाख प्रधानमंत्री आवास का दावा करने वाली भाजपा की साय सरकार ने अभी तक एक भी हितग्राही के लिए नया मकान नहीं बनाया है। प्रधानमंत्री आवास केवल सरकारी विज्ञापनों और होर्डिंग में ही दिखते रहे है, हकीकत में भाजपा सरकार के आने के बाद कोई नया आवास स्वीकृत नहीं हुआ है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि विधानसभा चुनाव के मोदी की गारंटी के नाम पर किए गए दावे भी जुमले साबित हुए हैं। पीएम आवास योजना 2015 में लागू हुई तब केंद्र और राज्य दोनों जगह बीजेपी की सरकार थी। 2011 के जनगणना को आधार मानकर छत्तीसगढ़ के लिए कुल 18 लाख आवास का लक्ष्य तय किया गया था।

कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा का आरोप

हाथ पैर बांधकर जिंदा जलाई जा रही है बेटियां, भाजपा सरकार में अपराधी बेख़ौफ़

रायपुर। प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सरकार की अकर्मण्यता से पूरा प्रदेश अपराधगढ़ बन चुका है, बलौदाबाजार के ग्राम चरौटी की घटना इस सरकार के महिला सुरक्षा को लेकर किए जा रहे दावों की पोल खोलती है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि एक गरीब बेटी को हाथ पैर बांधकर जिंदा जला दिया गया, उसके शरीर पर जगह जगह चोट के निशान हैं, अमानवीय यातनाएं देकर बेरहमी से हत्या की गई है। इस सरकार का फोकस अपराध रोकने में नहीं बल्कि नशाखोरी को बढ़ावा देने में है, जिसकी वजह से ही अपराध बढ़ रहा हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि विगत 22 महीनों की भाजपा सरकार में छत्तीसगढ़ में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री साय के गृह जिला जशपुर के बगीचा थाना क्षेत्र में भाईदूज के दिन ही विगत 23 अक्टूबर को पहाड़ी कोरवा युवती के साथ सामुहिक दुष्कर्म घटित हुआ, दिवाली के दिन ही प्रदेश में 6-6 हत्या हो गई, 45 चाकूबाजी की घटना दिवाली के दिन ही दर्ज हुई, रायगढ़ में आदिवासी दंपति को पीट-पीट कर मार डाला गया, सरगुजा में आदिवासी दंपति के घर में घुस कर हत्या कर दिया गया। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष का भाई, लोगों के साथ खुलेआम मारपीट कर रहा है, भाजपा के नेता अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं। राजनांदगांव में महापौर का पीए सरेआम लोगों को पीटता है। भिलाई में सरेआम मातर के जुलूस में हत्या हो जाती है। यह सरकार आपराधिक घटनाओं को रोक पाने में पूरी तरह नाकाम है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकार आम जनता को भयमुक्त वातावरण देने में पूरी तरह असफल हो चुकी है, अपराधी बेलगाम हो गये है, प्रशासन का कोई नियंत्रण दिखता नहीं है।

सिर्फ 5 हजार शिक्षकों की भर्ती की स्वीकृति युवाओं के साथ धोखाधड़ी : कांग्रेस

रायपुर। सरकार के वित्त विभाग ने सिर्फ 5 हजार शिक्षकों की भर्ती के लिए वित्तीय स्वीकृति दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में लगभग 58000 से अधिक शिक्षकों के पद खाली है। पूर्व शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने विधानसभा में घोषणा किया था कि 35000 शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस वर्ष के बजट भाषण में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने घोषणा किया था कि बजट में 20 हजार शिक्षकों की भर्ती का वित्तीय प्रावधान है। मात्र 5 हजार भर्ती प्रदेश के युवाओं के साथ धोखा है जो शिक्षक बनने का सपना संजोकर रखे है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जब कुल खाली पद 58000 है। पहले प्रक्रिया 35000 की भर्ती की शुरू हुई थी, बजट में 20000 भर्ती के प्रावधान थे, तब सिर्फ 5 हजार शिक्षकों के ही भर्ती की वित्तीय स्वीकृति क्यों की गई है? शेष खाली 53000 हजार पद कब भरे जाएंगे?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी में तो 1 लाख नौकरी का वादा किए थे इस हिसाब से भी अभी तक 40 हजार भर्ती हो जानी थी। लेकिन भाजपा की सरकार ने अपने दो साल के कार्यकाल में 2 हजार नौकरियां भी युवाओं को नहीं दे पाई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रोजगार विरोधी भाजपा सरकार ने नए सेटअप के नाम पर सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के न्यूनतम पदों की संख्या में कटौती करके रिक्तियां विलोपित कर दी है जिसके चलते डीएड, बीएड प्रशिक्षित बेरोजगार युवा हताश और निराश हैं, यही वजह है कि इस वर्ष बीएड की सीटें खाली रह गई। यह सरकार युवाओं के सरकारी नौकरी में रोजगार के अवसर को लगातार खत्म कर रही है।

भाजपा सरकार में स्वास्थ्य विभाग खुद बीमारः ठाकुर

रायपुर। नारायणपुर में फूड प्वाइजनिंग से पांच लोगों की मौत और 30 लोगों की गंभीर रूप से बीमार होने के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार की लापरवाही के चलते नारायणपुर अबूझमाड़ के डूंगा के गोट गांव में फूड प्वाइजनिंग से पांच मासूम लोगों की मौत हो गई और 30 लोग गंभीर रूप से बीमार हो गये। गांव के एक पारिवारिक समारोह में भोजन करने के बाद उनको उल्टी, दस्त, चक्कर आने लगी, लेकिन समय पर इन्हें एंबुलेंस नही मिला। समय पर इलाज होता तो उन पांच लोगों को भी बचाया जा सकता था। इस घटना के पहले एक गर्भवती महिला को समय पर एंबुलेंस नहीं मिला जिसके चलते उसका गर्भपात हो गया। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद से स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से खत्म हो गई है। नारायणपुर की घटना बड़ी

बस्तर में हो रही नक्सल हत्याओं पर सरकार जवाब दे

नारायणपुर में पांच लोगों की मौत सिस्टम की लापरवाही

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि बेहद दुर्भाग्यजनक है कि नारायणपुर अबूझमाड़ के डूंगा के गोट गांव में फूड प्वायजनिंग से पांच मासूम लोगों की मौत हो गयी, 30 लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए है। लोग एक छट्ठी समारोह में भोजन किए गए थे उसके बाद उनमें उल्टी, दस्त, चक्कर आने की शिकायत आने लगी। इन लोगों की मौत इसलिए हो गयी क्योंकि उनको समय पर स्वास्थ्य केंद्र नहीं पहुंचाया जा सका। इन लोगों की मौतों के लिए सिस्टम की लापरवाही भी जिम्मेदार है, यदि सब को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवा दिया गया होता, इतने लोगों की असमय मौत नहीं होती। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि गृहमंत्री विजय शर्मा बीजापुर के उसूर थाना क्षेत्र के ग्राम नब्बी गये थे। गृहमंत्री के दौरे के दूसरे दिन ही वहां से 10 किमी दूर नक्सलियों ने दो आदिवासी युवकों की हत्या कर दिया। एक तरफ सरकार नक्सलवाद के खात्मे को लेकर बड़े-बड़े दावा करती है, सरकार बताती है कि नक्सली स्वफूर्त आत्मसमर्पण कर रहे है। दूसरी ओर नक्सली रोज बस्तर में ग्रामीणों की हत्या कर रहे है। पिछले हफ्ते एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या हो गयी। सुकमा में एक ग्रामीण को नक्सलियों ने मार डाला। अब बीजापुर में दो हत्यायें। सरकार इन हत्याओं का जवाब दे। सरकार के अति आत्मविश्वास का खामियाजा बस्तर के आदिवासियों को भोगना पड़ रहा।

प्रदेश में कानून का नहीं, जंगल राज चल रहा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की सरकार आने के बाद प्रदेश में जंगल राज चल रहा है। प्रदेश में बढ़ती आपराधिक घटनाएं बताती है कि राज्य में कानून का राज खत्म हो गया है। जशपुर में बगीचा थाना क्षेत्र में पहाड़ी कोरवा की एक मासूम बच्ची के साथ दूराचार हो गया और पत्थर से कुचलकर हत्या की कोशिश की गयी, रायगढ़ में आदिवासी दंपति को पीट-पीट कर मार डाला गया, सरगुजा में आदिवासी दंपति के घर में घुस कर हत्या कर दिया गया। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष का भाई, लोगों के साथ खुलेआम मारपीट कर रहा है। राजधानी में तीन दिन में 45 से अधिक चाकूबाजी की घटनाएं हो चुकी है। राजनांदगांव में महापौर का पीए वसूली करने के लिए सरेआम लोगों को पीटता है। भिलाई में सरेआम मातर के जुलूस में हत्या हो जाती है। सरकार आपराधिक घटनाओं को रोक पाने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)।